देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–289 । सागर, रविवार, 10 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

ग्रामीणों को जल संरक्षण संवर्धन के लिए करें जागरूक : संयुक्त सचिव पृष्ठ 3

▪ 'दूर हटो ऐ दुनिया वालों...' ▪ दो आदमी पुराने पृष्ठ 4

▪ चंबल के नेता ने कुशल रणनीति से बुंदेलखंड में किया कमाल पृष्ठ 6

44 खण्डपीठों द्वारा 5763 प्रकरण निराकृत किए गए पृष्ठ 8

भाजपा को वोट देने पर देवर ने की थी मारपीट, मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

शिवराज ने समीना को दिया सुरक्षा का भरोसा

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने पर मुस्लिम महिला के साथ उसके देवर द्वारा मारपीट करने का मामले सामने आने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका संज्ञान लिया है। श्री चौहान ने सीहोर निवासी समीना बी को मुख्यमंत्री निवास बुलाकर बातचीत की है और उसे सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान समीना के बच्चे भी उनके साथ थे। मुख्यमंत्री ने कहा, मेरी बहन, तुम किसी बात की चिंता मत करना, तुम्हारा भाई सदैव तुम्हारे साथ है।

श्री चौहान ने ट्वीट कर कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए भाजपा को अपना मत देने पर मेरी एक बहन को उसके परिवार द्वारा प्रताड़ित करने का मामला मेरे संज्ञान में आया है। मैंने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित कर उचित कार्रवाई करने को कहा है। इसके साथ ही पीड़ित बहन को पूरी सुरक्षा व आर्थिक मदद भी दी जाएगी।

दरअसल, सीहोर में भाजपा को वोट देने पर समीना बी के देवर जावेद ने आपत्ति जताई और यह कहकर कि भाजपा को वोट दिया है, उसकी पिटाई कर दी। जिले के अहमदनगर थानांतर्गत बरखेड़ा हसन गांव का यह मामला 3 दिसंबर का है। जिसका एक वीडियो शुक्रवार को काफी वायरल हुआ। इस वीडियो में समीना बी पति बबलू खां कहती नजर आ रही हैं कि भाजपा को वोट देने की जानकारी देवर को लगने पर पहले तो उसने अपशब्द कहे, फिर उनके साथ मारपीट की। मारपीट में देवर की बीवी ने भी साथ दिया। उसने डंडा लाकर दिया, जिससे देवर ने मुझे खूब पीटा। महिला के अनुसार, उसने इस मामले की शिकायत थाने और कलेक्टर से भी की है।

मुख्यमंत्री से मिलकर बोलीं समीना

वे मेरी फिक्र कर रहे हैं

बाद में मीडिया से बात करते हुए समीना ने बताया कि मैंने भाजपा को वोट दिया था, इसलिए देवर ने मेरी मारपीट की। कहने लगा कि उनके वोट क्यों दिया। मैंने जब यह कहा कि वह मेरी फिक्र करते हैं, मैं उन्हें ही (भाजपा प्रत्याशी) वोट दूंगी। मुझे यहां शिवराज भैया ने बुलाया वो मेरी फिक्र कर रहे हैं। उन्होंने है कि हम आपकी और आपके परिवार वालों की चिंता करेंगे, आपके बच्चों की चिंता भी करेंगे, मैं उनका मामा हूं। तुमने वोट देकर अपने अधिकार का उपयोग किया हर एक को यह हक है।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में बोले अमित शाह

भारत विश्व पटल का चमकता सितारा

देहरादून, देशबन्धु। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का शक्तिशाली भारत विश्व के पटल का चमकता सितारा है, जिसके प्रकाश पुंज से चहुं दिशाएं जगमग हैं। पर्यावरण से लेकर आर्थिक मोर्चा हो या शांति स्थापित करने के प्रयास हों, सभी जगह भारत दुनिया का नेतृत्व करता दिखाई देता है और यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संभव हो पाया है।

एफआरआई में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित करता जा रहा है। आज भारत दुनिया में आर्थिक विकास का इंजन बनकर उभरा है। पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। दिल्ली में हुए जी 20 सम्मेलन की सफलता और दिल्ली डिक्लेरेशन इस ओर बखूबी करता है कि विश्व के सभी देशों को एकजुट रखने में भारत पूर्ण रूप से सफल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य है कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बने।

शाह ने कहा कि पर्यावरण हो या फिर शांति की बात भारत सभी देशों को एक मंच पर लाने में कामयाब हुआ है। शाह ने कहा कि भारत की विकास दर जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे वर्ष 2025 तक भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनामी बन जाएगा। यही नहीं बहुत जल्द ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। इसके लिए मोदी सरकार पूरा रोड मैप तैयार कर चुकी है, जिस पर बखूबी अमल किया जा रहा है और उसके सुखद परिणाम सबके सामने है।

विगत 10 वर्षों में भारत की इकोनामी दो ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और यह इस ओर इशारा करता है कि हम सही दिशा में सही कदम और गति के साथ अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में 13.5 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकला गया है। उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है और वह देश की उन्नति में अपना योगदान बखूबी दे रहे हैं।

मध्यप्रदेश और राजस्थान में कल साफ होगी तस्वीर

शिवराज, पटेल या तोमर को मिलेगी कमान

भोपाल/जयपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश व राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर कल तस्वीर साफ हो जाएगी। इन दोनों राज्यों में सोमवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। मप्र में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल या नरेन्द्र सिंह तोमर में से किसी एक को प्रदेश की कमान मिलने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि वे मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं, लेकिन अधिकांश विधायकों की प्रतिक्रियाओं से यह लगता है कि वे कम से कम लोकसभा चुनाव तक मुख्यमंत्री के तौर पर शिवराज सिंह चौहान को कमान दिए जाने के पक्ष में हैं। कुछ महिला विधायकों ने तो सीधे तौर पर भाजपा की जीत को लाड़ली बहना योजना की जीत बताते हुए श्री चौहान को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। इधर, मप्र भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज बताया कि सोमवार को शाम 4 बजे भोपाल में विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें पार्टी की ओर से नियुक्त तीनों पर्यवेक्षक- मनोहरलाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण और राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा शामिल होंगे।

श्री शर्मा ने बताया कि बैठक के लिए सभी विधायकों को आमंत्रण भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन की पद्धति के अनुरूप प्रक्रिया होगी। मुख्यमंत्री पद की दौड़ के संबंध में श्री शर्मा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ही सब कुछ तय करेगा। राज्य के विकास को आगे बढ़ाने और 2024 में श्री मोदी को पुन: प्रधानमंत्री बनाने के लिए, राज्य की दृष्टि से जो सर्वश्रेष्ठ होगा, वही होगा।

उल्लेखनीय है कि मप्र में शिवराज सिंह चौहान के अलावा नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, ज्योतिरादित्य सिंधिया, विष्णुदत्त शर्मा के नाम मुख्यमंत्री के तौर पर लिए जा रहे हैं। दूसरी ओर राजस्थान का नया मुख्यमंत्री चुनने को लेकर भी दिल्ली से लेकर जयपुर तक भाजपा में गहमागहमी का माहौल है। भाजपा के विधायक दल की बैठक सोमवार को होगी। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सभी विधायकों से बातचीत करेंगे।

छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के नाम पर आज लगेगी मुहर

रायपुर, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में सत्ता में धमाकेदार वापसी करने वाली भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के विधायकों की विधायक दल का नेता चुनने के लिए कल यहां बैठक होंगी। भाजपा आलाकमान ने छत्तीसगढ़ में विधायक दल का नेता चुनने के लिए आहूत बैठक के लिए केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एवं सर्वानंद सोनोवाल और पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को छत्तीसगढ़ के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।तीनो पर्यवेक्षकों के कल सुबह यहां पहुंचने की संभावना है।नवनिर्वाचित विधायकों की प्रदेश भाजपा मुख्यालय में बैठक होंगी। राज्य की 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 54 सीटों पर जीत दर्ज की है।भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को अप्रत्याशित रूप से शिकस्त कर सत्ता में वापसी की है। कांग्रेस को महज 35 सीटों पर सन्तोष करना पड़ा।

भाजपा नेतृत्व ने अभी तक किसी को मुख्यमंत्री बनने के संकेत नही दिए है,लेकिन राजनीतिक जानकारों के अनुसार रेस में पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह आगे बताए जा रहे है। उनके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरूण साव,पूर्व केन्द्रीय मंत्री विष्णुदेव साय एवं रेणुका सिंह के भी रेस में होने की चर्चा है। इस बीच प्रदेश भाजपा कार्यालय और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के आवास पर बधाई देने के लिए लोगो का तांता लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री डा.सिंह के आवास पर सर्वाधिक भीड़ देखी गई है।उन्हे राज्यभर से बधाई देने लोग पहुंच रहे है।

तेलंगाना सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा शुरू की

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में लोगों को दी गई छह में से दो गारंटियों को लागू करने की शुरुआत की है। सीएम ने राज्य के मालिकाना हक वाली टीएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और राजीव आरोग्यश्री योजना के तहत कवरेज को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की योजना का उद्घाटन किया।

महिला मंत्री सीताक्का और कोंडा सुरेखा ने विधानसभा परिसर में पूरे मंत्रिमंडल और कांग्रेस विधायकों की मौजूदगी में बस को हरी झंडी दिखाई। मुख्य सचिव शांति कुमारी और बॉक्सिंग चैंपियन निखत जरीन भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क, प्रोटेम स्पीकर अकबरुद्दीन ओवैसी और मंत्रियों ने दोनों योजनाओं को औपचारिक रूप से लॉन्च करने के लिए टीएसआरटीसी के शून्य टिकट और राजीव आरोग्यश्री योजना के नए लोगों और पोस्टर का अनावरण किया। रेवंत रेड्डी ने इस अवसर कहा कि कांग्रेस सरकार पार्टी नेता सोनिया गांधी के जन्मदिन पर अपनी छह में से दो गारंटियों को लागू कर रही है।

सभी 6 गारंटी सौ दिन में पूरी की जाएंगी

उन्होंने कहा कि नौ दिसंबर का दिन तेलंगाना के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि 2009 में इसी दिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने तेलंगाना राज्य के गठन की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने सोनिया गांधी को तेलंगाना की मां बताया। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना को एक कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए सभी छह गारंटी 100 दिनों में पूरी की जाएंगी। सभी आयु वर्ग की लड़कियों, महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्ति, जो तेलंगाना के मूल निवासी हैं, राज्य की सीमाओं के भीतर तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। अंतरराज्यीय एक्सप्रेस और पल्ले वेलुगु बसों में तेलंगाना की सीमा तक यात्रा मुफ्त होगी। महिलाएं कोई भी पहचान पत्र दिखाकर यात्रा कर सकती हैं। गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना, राजीव आरोग्यश्री के तहत वित्तीय कवरेज दोगुना कर प्रति परिवार 10 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है। योजना के तहत बीपीएल से नीचे के कुल 90.10 लाख परिवार पात्र लाभार्थी हैं। योजना के तहत 21 विशिष्टताओं के तहत विभिन्न बीमारियों को कवर करने के लिए 1,672 पैकेज उपलब्ध हैं। हैदराबाद। पद संभालने के तीन दिन के भीतर एक और महत्वपूर्ण फैसले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सरकार के छह सलाहकारों को बर्खास्त कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद, कहा-

योजनाओं का लाभ मिलने से जीने की नई ताकत आती है

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत कुछ राज्यों के लाभार्थियों से संवाद किया। संवाद में उत्तराखंड, कश्मीर, बिहार और गुजरात के लाभार्थी शामिल थे। कार्यक्रम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी भोपाल से वर्चुअली जुड़े।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाभार्थियों से संवाद के बाद अपने संबोधन में कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हिन्दुस्तान के कोने-कोने में बसे नागरिकों तक पहुंचा है। योजनाओं का लाभ मिलने से जीने की नई ताकत आ जाती है। विकसित भारत संकल्प यात्रा में महिलाओं की भागीदारी पर ध्यान दिया गया है। गत 15 नवम्बर से प्रारंभ इस यात्रा का तीन-चार सप्ताह में देश भर में अच्छा स्वागत हुआ है। इस यात्रा का उद्देश्य ऐसे लोगों तक पहुंचना है, जो सरकार की योजनाओं से अब तक नहीं जुड़ सके। अब तक देश की चालीस हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक जोड़ने में सफलता मिल चुकी है। मोदी की गारंटी की गाड़ी तक लोग पहुंच रहे हैं। पंचायतों ने स्वागत समितियां भी बनाई हैं। उत्तर भारत के कारगिल से लेकर दक्षिण भारत के ग्रामों तक और अंडमान निकोबार तक यह गाड़ी पहुंची है। राज्यों में यात्रा के तहत हेल्थ चेकअप कैंप लगे हैं। इसी तरह फिट इंडिया का संदेश पहुंचाया जा रहा है। करीब दो करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए अभियान संचालित हो रहा है। बहनों को ड्रोन पायलट बनाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि निर्धन वर्ग के लोग और किसान आदि हमारे लिए वीआईपी से कम नहीं हैं। योजनाओं के लाभ से नागरिकों को लाभान्वित कर शत प्रतिशत सेचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रारंभ में केंद्रीय सूचना प्रसारण सचिव ने स्वागत उदबोधन दिया। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर को विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रारंभ होने एवं इसके बाद 30 नवम्बर को यात्रा से जुड़े थे। आज वे तीसरी बार संवाद कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश में लगातार कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम से जुड़े

मप्र में 2 पंचायतों में पहुंचेगा एक वाहन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास से वीसी द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभारी मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल एवं अन्य अधिकारियों से मध्यप्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा के स्वरूप के संबंध में चर्चा की। बताया गया कि प्रदेश में दो पंचायतों तक एक वाहन पहुंचेगा। विभिन्न स्तरों की समितियां गठित हुई है और जिला, विकास खण्ड, ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय स्तर पर यात्रा से संबंधित गतिविधियां होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों से प्रदेश में किसानों के लिए खाद की उपलब्धता और वितरण की जानकारी भी प्राप्त की।

कांग्रेस कार्यकर्ता ने करवाया मुंडन

खुरई से रक्षा राजपूत की जीत की लगाई थी शर्त, कहा अपना वादा पूरा किया

बीना, देशबन्धु। मप्र विधानसभा चुनाव में सागर जिले की खुरई सीट से कांग्रेस नेत्री रक्षा राजपूत की हार के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता प्रतिपाल सिंह राजपूत ने मुंडन करवा लिया है। प्रतिपाल ने भाजपा कार्यकर्ता से शर्त लगाई थी कि रक्षा राजपूत चुनाव हारती है तो वो मुंडन करवाएंगे। शर्त के चलते प्रतिपाल ने परिणाम के 6 दिन बाद शनिवार को मुंडन करवाया है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में मतदान से एक हफ्ते पहले कांग्रेस कार्यकर्ता प्रतिपाल सिंह राजपूत निवासी बलऊ ने खुरई के परसा चौराहे पर खड़े थे। यहां भाजपा के लोग भी थे। राजनैतिक चर्चा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता मंत्री भूपेंद्र सिंह की जीत को लेकर दावा कर रहे थे, तो वहीं प्रतिपाल सिंह राजपूत कांग्रेस नेत्री रक्षा राजपूत की जीत का दावा कर रहे थे। बातों ही बातों में प्रतिपाल सिंह राजपूत ने शर्त लगा दी कि अगर खुरई विधानसभा से कांग्रेस की रक्षा राजपूत नहीं जीती, तो वह अपना सर गंजा करवा लेंगे। 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम सामने आने के बाद खुरई विधानसभा से भी भाजपा की जीत हुई। परिणाम सामने आने के 6 दिन बाद बलऊ गांव निवासी प्रतिपाल सिंह राजपूत ने अपनी शर्त के मुताबिक खुरई के कचहरी के पास सैलून में पहुंचकर खुरई ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शाकिर खान एडवोकेट की उपस्थिति में मुंडन करवाया। प्रतिपाल ने कहा कि अब हम लोकसभा की तैयारी करेंगे। 5 साल संगठन में रहकर काम करेंगे और 5 साल फिर संघर्ष करेंगे। खुरई ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शाकिर खान ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता प्रतिपाल सिंह राजपूत मप्र में एवं खुरई विधानसभा में कांग्रेस की जीत को लेकर आश्वस्त थे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो हम अपना मुंडन करा लेंगे, उन्होंने अपनी वादे के मुताबिक मुंडन करा लिया है।

प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत विद्या परिषद सदस्य मनोनीत

सागर, देशबन्धु। मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग मप्र शासन भोपाल द्वारा प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत को ज्ञानवीर विवि सागर में विद्या परिषद सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रो. राजपूत देश के 50 से अधिक विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और 80 से अधिक शैक्षिक इकाइयों समितियों में अनेक पदों पर संलग्न हैं।

सागर स्थित केंद्रीय विवि में समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग के विभागाध्यक्ष हैं, साथ ही उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी, मप्र भोज मुक्त विवि के क्षेत्रीय निदेशक, सेंटर फॉर फोस्टरिंग सोशल रिस्पांसिबिलिटीज के डायरेक्टर और गौर पीठ के समन्वयक भी हैं।

पहले कुल वर देखि, दूजे घर परिवार तीजे ग्राम निवासः पं देवेंद्र शास्त्री

सप्तम दिवस श्रीमद्भागवत कथा का हुआ विश्राम

केसली, देशबन्धु। सत्संग भवन में हो रही साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम शनिवार को हुआ। कथा व्यास पं. देवेंद्र दुबे शास्त्री ने भगवान के विवाह और पटरानियो की कथा सुनाते हुए बताया कि पहले जो विवाह संस्कार होते थे उसमें पहली प्राथमिकता कुल की होती थी पर अब ऐसा नही है। वही दूसरी योग्यता घर और परिवार होना चाहिए जबकि आजकल धन को ही प्राथमिकता दी जाती है। इसके बाद ग्राम निवास उम्दा होने पर विवाह योग बनता है पर अब परिस्थिति विपरीत है और लोग मनमआने ढंग से विवाह कर रहे है जिसका दुष्परिणाम सामने आता है। कथा के अंतिम दिवस सैकडो की संख्या में महिला पुरुष शामिल हुए। कथा के विश्राम दिवस पर जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। जिनमें विनीत पटैरिया, उमेश श्रीवास्तव, सुधीर राजपूत, अनुरुद्ध कटारे, गोविंद सिंह, विमलेश श्रीवास्तव, गोपाल विश्वकर्मा, रामदेव नामदेव आदि प्रमुख रहे। कथा यजमान ने रामनरेश गोस्वामी सबसे करबद्ध निवेदन कर कल भंडारे में आने का न्यौता दिया।

आगासिर्स में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक जीत पर मनाया जश्न

बांदरी, देशबन्धु। मप्र में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बांदरी नगर के वार्ड आगासिर्स एवं मूड़री में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई एवं भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल किए जाने पर आगासिर्स मुख्य चौराहे समेत अलग-अलग स्थानों पर ढोल-नगाड़ों के बीच भांगड़ा कर हर्ष जताया इसी के साथ सभी भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित होकर हनुमान मंदिर में प्रसाद चढ़ाकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया एवं कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान बांटकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर कार्यालय प्रभारी राजेंद्र जैन कहा कि खुरई विधानसभा से मंत्री भूपेंद्र सिंह के ऐतिहासिक विजय होने पर आज आगासिर्स, मूड़री मैं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर हर्ष व्यक्त किया है और कहां कि मंत्री श्री सिंह ने विकास करने में कोई कसर नहीं की थी तथा पूरे क्षेत्र में बांधों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे किसान लाभान्वित होंगे वहीं वे इस बार भी विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा आम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। लाड़ली बहना योजना का नजर आया असर भाजपा की जीत का जश्न महिलाओं ने भी खूब मनाया तथा इसका श्रेय प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को दिया। इस मौके पर कार्यालय प्रभारी राजेंद्र जैन, गोपी राजपूत, उदयपाल यादव, जनक लोधी, राम राजा यादव, हरदास लोधी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गरीब व गरीबी में बहुत दम है, मौसम मेहनत करने से कैसे रोकेगा: मणीकांत चौबे

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच की शनिवार को 1508 वीं गोष्ठी निर्वाध गति से निरंतर क्रम में संपन्न हो गई। सागर के कवि पूरन सिंह के द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की वंदना से संगोष्ठी की शुरुआत हुई। गोष्ठी अध्यक्ष मणीकांत चौबे बेलिहाज ने स्वागत भाषण में साहित्यकारों को प्रेरित करते हुए कहा बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच नामक यह संस्था 29 वर्षों से निरंतर साप्ताहिक संगोष्ठी आयोजित करने का गौरव वाली रिकॉर्ड बनाने जा रहीं हैं। इस संस्था ने लम्बे संघर्ष व जद्दोजहद के बाद यह मुकाम पाया है। इस दौरान अनेक साथी बिछड़ गये, तो अनेक नये साथ हो लिए। यह सिलसिला आज भी जीवंत है। संस्था ने समाज के गुमनाम साहित्यकारों को पुरष्कृत कर समाज के सामने लाने का कार्य भी सतत् रूप से किया हैं। काव्यपाठ करते हुए कहा श्रमगार मजबूत हो मौसम कभी बाधा नहीं बनते। आग से उठी लपटें, पेट की आग से कम है। गरीब व गरीबी में बहुत दम है, मौसम मेहनत करने से कैसे रोकेगा। वीरेंद्र पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा यह संस्था निरंतर 29 वर्षों से साप्ताहिक संगोष्ठी आयोजित करने की गौरव गाथा रचने जा रहीं हैं। इस हेतु संस्था के संयोजक मणीकांत चौबे बधाई के पात्र है। इस गोष्ठी में काव्य पाठ हेतु जबलपुर से जय श्रीकांत जयु, पृथ्वीपुर से वीरेंद्र त्रिपाठी, प्रेम घनघोरिया, राजेश अहिरवार सुमन, रीवा से डॉ. बारेलाल जैन, बड़ामलहरा से डॉ. देवदत्त द्विवेदी सरस, दमोह से डॉ. रघु नंदन चिले, डॉ. प्रेमलता नीलम एवं पुष्पा चिले, सागर से लक्ष्मी नारायण चौरसिया, डॉ. सीताराम श्रीवास्तव भावुक, पूरन सिंह राजपूत, प्रभात कटारे, मणि देव ठाकुर, अनिल जैन विनर, प्रो. सरोज गुप्ता तथा डॉ. नलिन जैन ने काव्य की विभिन्न प्रस्तुतियां दी। संगोष्ठी में उपस्थित साहित्य मनीषी व प्रबुद्धजनों ने कवियों का उत्साह वर्धन किया और गोष्ठी के संचालक डॉ. नलिन जैन ने आभार व्यक्त किया।

आर्यिका संघ का भव्य पिच्छीका परिवर्तन समारोह आज नेहा नगर में

सागर, देशबन्धु। आर्यिका रत्न श्री अकंपमति एवं आर्यिका श्री अचलमति का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह रविवार को रखा गया है मंदिर कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष निलेश जैन भूसा ने बताया कि कार्यक्रम दोपहर 1बजे से नेहानगर मकरोनिया जैन मंदिर के पीछे पंडाल से आयोजित किया जा रहा हैं। माताजी संघ का मंगल वर्षायोग चातुर्मास नेहा नगर में चल रहा हैं। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष कमल जैन कदवा एवं महामंत्री संजय जैन पटवारी ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आग्रह किया है।

नव निर्वाचित विधायक ने मंदिरों में माथा टेका पैदल चलकर जनता के बीच पहुंचें आभार जताने

शाहगढ़, देशबन्धु। बंडा विधानसभा चुनाव में वीरेंद्र सिंह लंबरदार को मिली जीत पर भाजपा ने शनिवार को कार्यकर्ताओं के लिए शाहगढ़ में धन्यवाद समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में विधायक वीरेंद्र सिंह लंबरदार सहित बंडा और शाहगढ़, दलपतपुर, बरायथा, हीरापुर मंडल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ मुख्य अतिथि नव निर्वाचित विधायक का स्वागत किया। वीरेंद्र सिंह लंबरदार ने बंडा शाहगढ़ में मिली रिकार्ड तोड़ जीत का श्रेय कार्यकर्त्ताओं और क्षेत्र के सभी मतदाताओं और लाड़ली बहनों को दिया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में किसी के साथ राजनीतिक द्वेष से कार्य नहीं किया जाएगा। समूची विधानसभा क्षेत्र का समान विकास करवाया जाएगा। जल्द ही सभी पंचायतों का दौरा कर समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। इसके पश्चात आभार रैली निकाली गई। डीजे की धुन पर भाजपा और शिक्षक से विधायक बने वीरेंद्र सिंह लंबरदार की जीत का जश्न मनाया, सबसे पहले काली चौराहा, अंबे चौक और पार्क के हनुमान मंदिर के आलावा जैन मंदिर में माथा टेका, फिर शाहगढ़ नरेश और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वही गाड़ी से उतर कर आभार व्यक्त करने जनता के करीब एक किलों मीटर पैदल चलकर पहुंचें नव निर्वाचित विधायक सहित उनके बड़े भाई लखन सिंह लंबरदार ने हर दुकान और घरों पर जाकर लाड़ली बहनों सहित मतदाताओं, कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों का हाथ जोड़कर आभार जताया। खास तौर पर शनिवार को आभार रैली में देखने को मिला की सर्व दल समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों ने एकता का परिचय दिया और नव निर्वाचित विधायक को आशीर्वाद दिया। आभार रैली में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1 अप्रैल 19 के पूर्व पंजीकृत वाहनों में भी लगाई जायेगी एचएसआरपी नम्बर प्लेटःआरटीओ

सागर, देशबन्धु। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला ने बताया कि परिवहन आयुक्त मप्र ग्वालियर के आदेशानुसार उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रस्तुत रिट याचिका क्रमांक 7436/2021 ऐश्वर्या शांडिल्य विरूद्ध मप्र शासन ने न्यायालय द्वारा पारित आदेश 11 जुलाई 2023 के अनुपालन में 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों पर 15 दिसम्बर 2023 तक हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाई जाना है। आवेदक द्वारा अपनी वाहन निर्माता कंपनी अथवा नजदीकी डीलर को अपने वाहन पर तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह सहित एचएसआरपी लगाने के संबंध में ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। आवेदन से पूर्व आवेदक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वाहन पर कोई चालान लंबित नहीं है तथा वाहन की पंजीयन पुस्तिका निलंबित अथवा निरस्त नही की गई है। ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त होने के पश्चात् डीलर वाहन के विवरण का मिलान वाहन पोर्टल से करेगा। वाहन स्वामी डीलर से वाहन विवरण मैच होने की सूचना प्राप्त होने पर वाहन के डीलर को देय फीस ऑनलाईन माध्यम से अदा करेगा। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट स्थापित करने के पूर्व आवेदक द्वारा आवेदन पत्र की एक हस्ताक्षरित प्रति भी डीलर को उपलब्ध कराई जायेगी। डीलर किसी वाहन में हाई सिक्योरिटी प्लेट स्थापित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करेगा कि जिस वाहन के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है, नम्बर प्लेट भी उसी वाहन पर स्थापित की जाये अर्थात डीलर वाहन प्रस्तुत होने पर चैसिस एवं इंजन नम्बर के मिलाने करने के पश्चात् ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगायेगा।

एचएसआरपी लगाने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर

1 अप्रैल 2019 के पूर्व के वाहनों पर 15 दिसम्बर तक एचएसआरपी नहीं लगे होने पर चालानी एवं दण्डात्मक कार्यवाही नहीं होगी। 15 दिसम्बर 2023 के बाद प्रवर्तन अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चालानी एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

सहजपुर में विधान के पात्रों का चयन आज

गौरझामर, देशबन्धु। सहजपुर केसली में आयोजित समवशरण विधान के मुख्य पात्रों का चयन आज होने जा रहा है। मुनिश्री विशोध सागर एवं विभोर सागर के सानिध्य में आगामी 23 से 29 दिसंबर तक सहजपुर केसली में समवशरण विधान का आयोजन किया जा रहा है। जिसके प्रमुख पात्रों का चयन आज दोपहर में 1 बजे से जैन धर्मशाला सहजपुर केसली में किया जायेगा। जिसमें सौधर्म इंद्र सहित अन्य पात्रों का चयन होगा।

खराब सफाई व्यवस्था, नानक वार्ड के पार्षद ने जताई नाराजगी

बीना, देशबन्धु। कई वार्डों में साफ सफाई की लचर व्यवस्था के चलते पार्षद परेशान हो रहे हैं। नानक वार्ड में तो कई दिनों से सफाई नहीं होने की वजह से पार्षद को ही अपने वार्ड की नालियों की सफाई करना पड़ी। पार्षद ने इसके प्रति नाराजगी भी जताई और नगर पालिका पहुंचकर इसकी शिकायत भी की है। नानक वार्ड के पार्षद बीडी रजक ने बताया कि करीब तीन महीने से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। वार्ड में पर्याप्त सफाई कर्मचारी नहीं है। विभाग के अधिकारियों और नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ ने वार्डों का निरीक्षण भी नहीं किया है। ताकि वार्ड की समस्याओं से अवगत करा सकें। कई बार फोन के माध्यम से उनको कर्मचारी बढ़ाने के लिए बोला गया है। लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। लिखित पत्र में भी मुख्य नगर पालिका के नाम से सफाई कर्मचारी की मांगए वार्ड और नगर में फैली अव्यवस्था, सड़कों पर अतिक्रमण, आवारा पशु और गंदगी के बारे में लिखा गया है। नगर पालिका की बैठक का आयोजन भी नहीं किया जा रहा है। जिससे कि वार्ड और नगर के लोगों की समस्याओं और विकास की चर्चा हो सके। नानक वार्ड के पार्षद बी डी रजक ने बताया कि वार्ड में साफ सफाई नहीं होने की वजह से गंदगी से वार्ड के लोग परेशान हो रहे हैं। रोजाना वार्ड के लोग शिकायत भी करते हैं। जब कई बार बोलने के बाद भी नगर पालिका ने वार्ड में साफ सफाई नहीं कराई तो मजबूरी में उन्हें ही सफाई के लिए झाड़ू उठानी पड़ी। वार्ड की नालियों और कचरे को साफकिया गया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के अधिकारी वार्ड की सुध नहीं लेते हैं। वार्ड वासी नाली और कचरे से आने वाली बदबू और गंदगी से काफी परेशान हैं। अगर नगर पालिका का रवैया इसी तरह का रहा तो वार्ड वासियों के साथ नगर पालिका में धरना देना पड़ेगा। वार्ड वासियों को होने वाली समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कुशवाहा समाज का परिचय सम्मेलन 28 जनवरी को

सागर, देशबन्धु। कुशवाहा समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन 28 जनवरी 2024 को आयोजित किए जाने का निर्णय कुशवाहा समाज की बैठक में लिया गया। बैठक में भाजपा प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल पटेल, अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री एड. अर्जुन पटेल, कैंटोनमेंट बोर्ड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र पटेल, विद्युत ठेकेदार मोहन पटेल, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, कुशवाहा क्षत्रिय समाज के जिला सचिव केशव पटेल संरक्षक बाबू

रघुवीर प्रसाद पटेल, आरएस पटेल, चौधरी उमाशंकर पटेल, पीडी पटेल, रमजान की मंदिर के अध्यक्ष राजेश पटेल, जिला महामंत्री गणेश पटेल, पार्षद कन्हैया पटेल, लोकनाथ पटेल, चक्रेश पटेल, अरविंद लंबरदार, नरेश पटेल, महेश पटेल, शिवराज पटेल, दुर्गा पटेल, पुष्पा पटेल, राजकुमारी पटेल आदि शामिल थे आयोजन के संबंध में रविवार को दोपहर 2 बजे राम जानकी मंदिर राजीव नगर वार्ड में कुशवाहा समाज की बैठक आयोजित की गई है।

लोक अदालत में निपटे 160 मामले, डेढ़ लाख से अधिक जमा हुई राशि

शाहगढ़, देशबन्धु। शनिवार को नगर परिषद में राष्ट्रीय लोक अदालत में लगाई गई, जिसमें नगर परिषद ने छह लाख रुपये वसूलने का लक्ष्य रखा है। नगर परिषद छह सौ बकायादारों जारी नोटिस में जमा पर शत प्रतिशत तक की छूट का लाभ देने के प्रावधान किया गया था लेकिन एक सौ साठ उपभोक्ता ने ही लाभ लिया और एक लाख सत्तर हजार रूपये जमा कराये। नगर परिषद अध्यक्ष राधा बाबूलाल खटीक और सीएमओ एमजी गोस्वामी ने संपत्तिकर व जलकरदाताओं से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर बकाया संपत्तिकर और जलकर जमा कराएं और अधिभार में छूट का लाभ आज रविवार को भी लें। सीएमओ एमजी गोस्वामी ने बताया कि संपत्तिकर तथा अधिभार की रकम 50 हजार रुपये तक बकाया होने पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट। संपत्तिकर तथा अधिभार की रकम 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट। संपत्तिकर तथा अधिभार की रकम एक लाख रुपये से ज्यादा बकाया होने पर अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट। जलकर तथा अधिभार की रकम 10 हजार तक बकाया होने पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट। जलकर तथा अधिभार की रकम 10 हजार से 50 हजार रुपये तक होने पर अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट। जलकर तथा अधिभार की रकम 50 हजार से ज्यादा बकाया होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

मालथौन में लोक अदालत में 155 लोगो ने संपति जलकर जमाकर छूट का फायदा उठाया

मालथौन, देशबन्धु। नेशनल लोक अदालत का नगर परिषद कार्यालय में आयोजन किया गया। जिसमें 155 आवेदकों ने उपस्थित होकर संपत्ति कर और जलकर में छूट का फायदा उठाकर अपना कर जमा किया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार लोक अदालत का आयोजन किया गया था। निकाय अंतर्गत जलकर और संपत्ति कर जमा करने के लिए करदाताओं द्वारा बढ़चढ़कर भाग लिया। सीएमओ संजय समुन्द्रे द्वारा बताया गया कि शनिवार को नगर परिषद मालथौन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें समस्त करदाताओं के द्वारा बढ़चढ़कर कर भाग लेकर जमा कराया गया नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निकाय क्षेत्र मालथौन में कुल प्रकरण 155 प्राप्त हुए जिसमें कुल संपत्ति कर जमा 58026 हजार और जलकर राशि 97070 हजार रुपये प्राप्त हुए। नगर को कुल राजस्व 155096 राशि प्राप्त हुई। सीएमओ ने निकाय वासियों से अपील की समय से अपना संपति कर और जलकर का भुगतान कर सुविधाओ का लाभ उठाएं।

चंबल के नेता ने कुशल रणनीति से बुंदेलखंड में किया कमाल

सागर, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सागर संभाग प्रभारी चौ. मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने पोलिंग बूथ तक की इकाई को लगातार प्रवास और अथक परिश्रम से मजबूत करते हुए भाजपा को अपने प्रभार वाले सागर संभाग की 26 में से 21 सीटों पर ऐतिहासिक विजयश्री दिलाकर इतिहास रचा है। दरअसल, सागर में भाजपा को मिली यह सफलता सिर्फएक दिन अथवा एक सप्ताह के प्रयास की परिणति नहीं है बल्कि यह तभी संभव हुआ जब संभाग प्रभारी दिन-रात और सर्दी-गर्मी की चिंता किए बगैर पूरे चुनाव अभियान के दौरान उक्त संभाग में ही डेरा डाले रहे। उन्होंने सागर संभाग की सभी 26 सीटों का सघन दौरा किया। प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता को साथ लिया। चौ. मुकेश सिंह स्थानीय प्रत्याशी और पार्टी की प्रदेश चुनाव कमान के बीच सेतु का काम करते रहे। अपनी इस सांगठनिक सफल रणनीति एवं जमीन पर साकार हुई चुनावी सफलता को विनम्र भाव से मोदी की गारंटी पर जनता के विश्वास की मुहर के रूप में निरूपित करते हैं। वे यह भी कहते हैं कि सागर संभाग में चुनाव परिणाम ने बता दिया हैं कि देश की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ अपने प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर है। अपने प्रभार संभाग सागर की कुल 26 सीटों में से 21 सीटों पर भाजपा के परचम लहराए जाने को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि मानने के बजाए इस प्रचंड विजय को भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल मानते हैं। उन्होंने सागर संभाग के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं प्रत्याशियों को इस ऐतिहासिक विजय की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने दी।

सार समाचार

आज निकलेगी कलश यात्रा, शुरू होगा 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

छतरपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय गायत्री परिवार के तत्वाधान में सरानी दरवाजा बाहर महालक्ष्मी मंदिर में आज से 13 दिसंबर तक 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा। रविवार को दोपहर 2 बजे से मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी। इसके बाद महायज्ञ आरंभ हो जायेगा।

छतरपुर गायत्री परिवार के जयप्रकाश खरे, डा श्याम बिहारी सक्सेना, विनोद श्रीवास्तव और राकेश सक्सेना ने बताया 10 दिसंबर को 24 कुंडीय महायज्ञ के पहले दोपहर 2 बजे से गायत्री मंदिर से एक भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी। जो बस स्टेंड, चौक बाजार से होकर सरानी दरवाजा बाहर महालक्ष्मी मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद महायज्ञ आरंभ हो जायेगा। शनिवार को सायं 4 बजे से संगीतमय प्रवचन होंगे। बताया गया है कि 11 दिसंबर को सुबह 6 बजे से ध्यान साधना, प्रज्ञायोग, साढे 8 बजे से 24 कुंडीय यज्ञशाला में विधिविधान से देवपूजन के बाद यज्ञाहुतियां आरंभ होंगीं। दोपहर 2 बजे से कार्यकर्ता संवाद, सायं 4 बजे से संगीतमय प्रवचन होंगे। अगले दिन मंगलवार को सुबह 6 बजे से ध्यान योग, प्रज्ञायोग, साढे आठ बजे से महायज्ञ व सभी संस्कार, सायं 4 बजे से संगीत, प्रवचन और विराट दीपयज्ञ का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन 13 दिसंबर को सुबह 6 बजे से ध्यान साधना व प्रज्ञायोग, सुबह साढे 8 बजे से महायज्ञ सहित संस्कार के बाद अंत में महापूर्णाहुति के साथ महायज्ञ संपन्न हो जायेगा। गायत्री परिवार ने सभी साधकों सहित आमजन से इस महायज्ञ में शामिल होने का आग्रह किया है।

बैठक में की गई कैच द रेन एवं आकांक्षी जिला अंतर्गत कार्यों की समीक्षा

ग्रामीणों को जल संरक्षण संवर्धन के लिए करें जागरूक : संयुक्त सचिव

छतरपुर, देशबन्धु। भारत सरकार के संयुक्त सचिव एनबीएस राजपूत ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जलशक्ति अभियान कैच द रेन कार्यों एवं आकांक्षी जिले अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की है।

संयुक्त सचिव श्री राजपूत द्वारा जल संरचनाओं का सीमांकन करने के बाद मौजूद अतिक्रमण हटाकर चारों ओर मुनारे लगाने की जानकारी ली। साथ ही तालाबों के गहरीकरण, पुराने कूप एवं बावड़ियों का जीर्णाद्धार, शासकीय भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग एवं फीडर चेनल से हटाए गए अवरोध आदि कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर संदीप जीआर, एसीईओ जिला पंचायत चन्द्रसेन सिंह, ईई पीडब्ल्यूडी आरएस शुक्ला, सीएमएचओ डॉ लखन तिवारी, सीएमओ माधुरी शर्मा, उप संचालक कृषि डॉ बीपी सूत्रकार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा जल संरक्षण के उद्देश्य से ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम पानी पंचायत, जल चौपाल, नुक्कड़ नाटक, रैली, सोशल मीडिया, स्लोगन चित्रकला करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिन भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाए गये हैं, उनका रखरखाव भी किया जाए। साथ ही अधिक से अधिक रिचार्ज शाफ्ट बनाएं। यहां बता दें कि अभी तक 1235 शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य जा चुका है तथा पीएचई विभाग द्वारा 21 रिचार्ज शाफ्ट बनाये गये हैं।

पौधरोपण, जल संरक्षण पर करें फोकस

संयुक्त सचिव श्री राजपूत ने अधिकारियों को पौधरोपण और जल संरक्षण के कार्यों पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पौधे बड़े साइज के रोपें और जिले के ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर जहां उत्कृष्ट कार्य किया गया है तो दूसरे ब्लॉक और दूसरी अन्य पंचायतों के लोगों की विजिट कराएं। उन्होंने वाटर कंवर्जेशन की भी जानकारी ली। उन्होंने जिले में विभिन्न कार्यों में की गई वेस्ट प्रैक्टिस एवं चंदेलकालीन बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बावड़ी का रखरखाव उपयोगकर्ता से कुछ राशि लेकर ग्राम के लोगों का एक समूह बनाकर किया जाए।

नए कार्यों को देखकर सराहा

संयुक्त सचिव श्री राजपूत ने पूर्ण हो चुके कार्यों की जियोटैगिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही नवीन आंगनवाड़ी भवनों को स्कूल कैम्पस के अंदर बनाने के लिए भी निर्देशित किया। संयुक्त सचिव श्री राजपूत द्वारा आकांक्षी जिले अंतर्गत विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की गई। उन्होंने छतरपुर शहर की सिंचाई कॉलोनी में बनने वाली हाईटेक सेंट्रल लाइब्रेरी, सिंगल बिंडो सुविधा, चन्द्रनगर में बनने वाले टेराकोटा म्यूजियम के मॉडल को देखा और सराहा भी।

राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर बकायदारों से सख्ती करने के निर्देश

एक सप्ताह में नामांतरण प्रकरणों का निराकरण हो, कुर्की से करें लंबित वसूली : कलेक्टर

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर छतरपुर संदीप जीआर ने जिला पंचायत सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए कि 6 माह से अधिक लंबित नामांतरण प्रकरणों को मिशन मोड में एक सप्ताह में निराकरण करें।

उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में लगाए जा रहे राजस्व शिविरों में अधिकारी पूरी तैयारी के साथ जाएं। उन ग्रामों के लंबित राजस्व प्रकरणों के मौके पर जाकर ही निराकरण करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरणों का तेजी से निराकरण करें। बैठक में अपर कलेक्टर नम: शिवाय अरजरिया, सहायक कलेक्टर कार्तिकेय जायसवाल सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारियों द्वारा राजस्व प्रकरणों में जो आदेश पारित किया जाता है उस पर तुरंत अमल हो। यदि इसमें पटवारी स्तर पर लापरवाही होती है तो संबंधित पर तत्काल कार्यवाही की जाए।कलेक्टर ने कहा जो देनदार लंबित बकाया राशि नहीं चुका रहे है उनकी संपत्तियों की कुर्की एवं जब्ती प्राथमिकता से करें। साथ ही मैरिज गार्डन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पेट्रोल पंपों आदि से भी कर वसूली की जाए। एसडीएम, तहसीलदार तथा नगर पालिका अधिकारी संयुक्त रूप से प्रभावी एवं बड़ी कार्यवाही करते हुये बड़े बकायादारों से वसूली करें।

समय से करें नक्शों की तरमीम

कलेक्टर संदीप जीआर ने कहा कि राजस्व प्रकरण में ग्राहिता स्थिति में ही निराकरण कार्यवाही पर जोर दें। साथ ही 2 से 5 वर्ष के लंबित प्रकरणों की रिव्यू समीक्षा करते हुये निराकरण करें। उन्होंने धारणाधिकार के लंबित प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नक्शों की तरमीम समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों में समय पर जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व संबंधी कार्यों में तेजी लाने के लिए जो भी आवश्यक सामग्री हो, उसकी पूर्ति की जाएगी। लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत समय सीमा में विभिन्न राजस्व सेवाएं लोगों को दी जाएं। यदि जिस स्तर पर भी इसमें विलंब होता है तो संबंधित के विरूद्ध अर्थदण्ड लगाया जाए। कलेक्टर ने राजस्व संबंधी कार्यों में तेजी के लिए पटवारियों को प्रतिदिन काम सौंपने और शाम को संपादित कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

तंबाकु युक्त गुटका को लेकर जीएसटी विभाग ने मारा श्री ट्रेडर्स पर छापा

नौगांव, देशबन्धु। बीते रोज शुक्रवार को देर शाम यश पैलेस के पास थोक व्यापारी श्री ट्रेडर्स के यहां जीएसटी अधिकारियों ने छापा मारकर बड़ी मात्रा में तुंबाकु युक्त पहेली , भोला, किंग गुटका के अलावा राजश्री जप्त किया। कार्यवाही के दौरान जीएसटी अधिकारी ने बताया हमारे विभाग की 15 टीमें इस समय इस क्षेत्र में छापामार कार्यवाही कर रही है जिसमें गंज करारा, हरपालपुर, अवैध गुटका की फैक्टरी पर छापा मारा गया है। गंजकरारा में खेत में बने मकान में अवैध गुटका फैक्टरी संचालित की जा रही थी। जिसको छापा के दौरान पकड़ा गया है। ऐसी कार्यवाही हरपालपुर में भी हुई जब इन जगहों पर मिले व्यक्तियों से पूछताछ की गयी तो उन्होने बताया कि यह अवैध गुटका की बिक्री कहां पर होती है तो बताया श्री ट्रेडर्स नौगांव का नाम बताया। जिस पर जीएसटी अधिकारी झिरिया गंजकरारा से उक्त व्यक्ति को अपने साथ लेकर आये और दुकान का पता लगाया। इसके बाद कार्यवाही की। लगभग तीन घंटे चले कार्यवाही में तीन थैली पहेली गुटका इसके साथ जो भी तंबाकु यक्त गुटका और अमानक सामग्री दुकान में मिली उसकी जप्ती बनाकर पंचनामा बनाया गया और जप्ती दुकानदार के हवाले की गयी। इस कार्यवाही में असस्टेंट कमिश्नर सेंट्रल जीएसटी डिवीजन छिंदवाड़ा सहित चार कर्मचारी सम्मिलित रहे।

लोक अदालत में निपटे 157 प्रकरण

- नपा में 231 प्रकरणों में हुई 13 लाख 93 हजार की राजस्व वसूली

नौगांव -छतरपुर। शनिवार को लोक अदालत हुई और माननीय न्यायालय के पांचों न्यायाधीशों के न्यायालयों ने अलग अलग 157 प्रकरणों का समाधान हुआ। लोक अदालत आपसी सुलह ओर बातचीत की एक प्रणाली है और यह एक ऐसा मंच है जहां अदालत और लंबित मामले जो मुकदमे बाजी पहले के चरण में दोनो पक्षों में समझौता किया जाता है और सौहार्द्र पूर्ण तरीके से मामला निपटाया जाता है। लोक अदालत में अलग अलग न्यायाधीशों की पांचों न्यायालय में 157 प्ररकणों का निराकरण हुआ। तहसील विधिक समिति नौगांव के द्वारा प्राप्त जानकरी के अनुसार प्रथम एवं अपर सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार शर्मा की अदालत में 24 प्रकरण, दिनेश कुमार प्रजापति द्धितीय जिला एपं अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में 15 प्रकरण , बिन्दु पटेल प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड के न्यायालय के 24 प्रकरण , शरद जयसवाल न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय के 43 प्रकरण , मानवेन्द्र सिंह यादव मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय से 11 प्रकरणो का निराकरण हुआ। कुल न्यायालय के 157 प्रकरण का निपटारा हुआ। जिसमें अलग अलग मामलों में 82 लाख 38 हजार 277 का निपटारा (समझौता हुआ)।

नगर पालिका के निपटे 231 प्रकरण

वहीं नगर पालिका के 231 प्रकरण न्यायालय के आदेश से निपटाये गये नगर पालिका में 231 प्रकरण जिसमें संपत्ति , जलकर , भवन कर , दुकान किराया के मामले शामिल है नगर पालिका को 231 प्रकरणों से 13 लाख 94 हजार 277 रूपये की वसूली हुई।

मशीन से सीमांकन का प्रशिक्षण दिया जाए

कलेक्टर ने एसएलआर को निर्देश देते हुए कहा कि सीमांकन के लिए मशीनों का प्रशिक्षण दिलवाएं। जो सीखने के प्रति आदेश की अव्हेलना करता है उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकारी योजना, स्वामित्व योजना, सीएम हेल्पलाइन, पीएम किसान योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर शेष किसाने की ई-केवायसी कराने के भी निर्देश दिए।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को मिलेगा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ

छतरपुर, देशबन्धु। सीईओ जिला पंचायत तपस्या परिहार ने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगगित श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभ देने के लिए जिले के सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिपं सीईओ ने कहा कि भारत सरकार द्वारा उक्त ई-श्रम पोर्टल पर 31 मार्च 2022 तक पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यू अथवा अपंगता में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत एक्स ग्रेसिया के रूप राशि दी जाएगी। जिसमें दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2 लाख रूपए एवं विभिन्न स्थाई और अपूरणीय शारीरिक क्षति होने पर भी 2 लाख रूपए का प्रावधान है। इसी तरह एक आंख, एक पैर या एक हाथ की स्थाई और अपूरणीय क्षति होने पर 1 लाख रूपए का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दुर्घटना का आशय अचानक, अप्रत्याशित एवं अवांछित घटना से है, जो किसी बाहरी, हिंसक अथवा दृष्यमान कारणों से घटित हुई हो।

उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर 31 मार्च 2022 के पूर्व पंजीकृत असंगठित श्रमिकों के दुर्घटना में मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में क्षतिपूर्ति के जो दावे प्राप्त होंगे, उनका निराकरण प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाएगा। इस दिशा में सभी जिम्मेदार अधिकारी ततपरता से पूरी संवेदनशीलता से प्रकरणों का निराकरण करें।

गौशाला में 193 नेत्र रोगियों का हुआ चेकअप, 39 गए चित्रकूट

नौगांव,छतरपुर। प्रत्येक माह की 9 तारीख को बुन्देलखंड गौशाला समिति के द्वारा नेत्र शिविर सदगुरू चिकित्सालय चित्रकूट के सहयोग से लगाया जाता है। जिसमें नेत्र रोगी पहुंचकर निशुल्क नेत्र परीक्षण कराते है अगर किसी को आंखो से संबंधित छोटी मोटी बीमारी होती तो सदगुरू चिकित्सालय छतरपुर से आये नेत्र चिकित्सक दवा दे देते है ओर जिनको मोतियाबिंद या गंभीर बीमारी होती है उनको चेकअप के बाद उनको चिन्हित ऑपरेशन के लिये चित्रकूट भेजा जाता है। समिति के द्वारा नेत्र शिविर में 193 नेत्र रोगियों का नेत्र परीक्षण कराया गया। जिनमें 39 ऑपरेशन के चित्रकूट भेजे गये गौशाला समिति के द्वारा नेत्र रोगियो के लिये खाने के लिये खिचड़ी की व्यवस्था और ओढने के लिये निशुल्क कंबल वितरण किये जाते है।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए ई-केवायसी बैंक खाते से आधार जोड़े

छतरपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत सभी पात्र कृषकों को ई-केवायसी और बैंक खाते से आधार लिंकेज अनिवार्य रूप से कराना होगा। अधीक्षक भू-अभिलेख छतरपुर ने बताया कि आगामी किश्तों की राशि उन्हीं पात्र कृषकों को प्रदान की जाएगी जिन कृषकों द्वारा ई-केवायसी एवं बैंक खाता से आधार लिंक का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि ऐसे किसान जिन्होंने ई-केवायसी एवं बैंक खाता से आधार लिंक नहीं कराया है वह कृषक पीएम किसान पोर्टल पर पर ई-केवायसी सीएससी सेन्टर व एमपी ऑनलाइन से भी करा सकते हैं।

खाद का वितरण में मनमानी पर एसडीएम ने कर्मचारियों को फटकारा

हरपालपुर, देशबन्धु। किसानों को खाद वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों पर शनिवार को नौगॉव एसडीएम विशा मघवानी ने हरपालपुर के कृषि उपज मंडी स्थित डबल लॉक खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण करके मार्कफेड गोदाम के कर्मचारियों की फटकार लगाई है।

जब एसडीएम यहां पहुची तब किसानों को आवश्यक दस्तावेजों के बिना खाद का मनमाने तरीके से वितरण किया जा रहा था। स्टॉक एवं पोस मशीन में गड़बड़ी मिलने पर उन्होंने कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। एसडीएम विशा मघवानी ने बताया कि डबल लॉक गोदाम जहां से खाद का वितरण हो रहा वहां गोदाम में जाने के सीढ़ियां न होने किसानों दिक्कतों का सामना पर पड़ रहा था। गोदाम प्रभारी को जल्द ही सीढ़ियों के निर्माण करने के निर्देश दिए हैं।

कृषि उपज मंडी में स्थित डबल लॉक कार्यालय खाद लेने आये किसानों को टोकन पर खाद का वितरण को जब एसडीएम ने देखा तो ओट चला कि यहाँ पदस्थ कर्मचारीयों द्वारा किसानों को आवश्यक दस्तावेजों के बिना मनमाने तरीके खाद का वितरण किया जा रहा है। जिस से पात्र किसानों को खाद न मिलकर अपात्र किसानों को मिल रहा था। साथ ही स्टॉक व वितरण रजिस्टर, वितरण मशीन सही नहीं मिली है। यहां कार्यवाही करते हुए उन्हीने बताया यहां के दस्तावेजों को जब्त कर पंचनामा बनाया है। अब जाँच प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजा जाएगा।

पं. धीरेन्द्र शास्त्री को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

छतरपुर, देशबन्धु। यहां से 30 किमी दूर स्थित बागेश्वरधाम के प्रख्यात संत पं धीरेन्द्र शास्त्री को ई मेल से जान से मारने की धमकी देकर 10 लाख रूपये की मांग करने वाले आरोपी को पुलिस ने बिहार के नालंदा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने यह ई मेल लारेंस विश्नोई गैंग के नाम से भेजा था।

छतरपुर जिले के बमीठा थाने की पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने पं धीरेन्द्र शास्त्री के मेल पर दो तीन ई मेल करके 10 लाख रूपये की मांग की। ये रकम न देने पर उन्हें जान से मार डालने की धमकी दी थी। यह मामला उजागर होते ही पुलिस महकमे में हडकंप मच गया और पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई।

आनन फानन में पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तहकीकात करके आरोपी का पता लगाया।इसके बाद छतरपुर पुलिस की एक टीम ने बिहार के नालंदा जाकर आरोपी को पकड लिया। आरोपी को छतरपुर लाकर राजनगर न्यायालय में पेश किया, वहां से उसे जेल भेज दिया गया है। यहां बता दें कि प्रख्यात संत के कारण बागेश्वर धाम श्रद्धालुओं की श्रद्धा और आस्था का केन्द्र बन गया है। जब से पं धीरेन्द्र षास्त्री ने सनातन धर्म की बात की तब से उनके विरोधियों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा भी हुआ है। 10 माह पहले भी अमर सिंह नाम के एक व्यक्ति ने धीरेन्द्र शास्त्री के छोटे भाई को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस धमकी में अमर सिंह ने कहा था कि धीरेन्द्र शास्त्री परिवार सहित तेरहवीं की तैयारी कर लो। इस मामले की रिपोर्ट भी बमीठा थाने में दर्ज है। मगर यह पहली बार ही हुआ है जब उन्हें किसी ने ई मेल के जरिये उन्हें जान से मारने की धमकी दी हो।

आनंद सभा में विद्यार्थियों ने जानना चाहा आवेश और आनंद में अंतर

छतरपुर, देशबन्धु। शिक्षा विभाग द्वारा ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन तथा आनंद विभाग के माध्यम से प्रत्येक शनिवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय के एक्सीलेंस एवं सीएम राइस स्कूलों में संचालित आनंद सभा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को जिला मुख्यालय के सीएम राइस स्कूल में लखन लाल असाटी द्वारा छात्रों से संवाद किया गया।

इस मौके पर शिक्षक मनीष जैन, मनीष आर्य, साधना मिश्रा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री असाटी ने कहा कि पढ़ाई का प्रमुख उद्देश्य जीवन में आनंद की प्राप्ति है, परंतु अभी आवेश को ही आनंद समझ लिया है तब आनंद स्थाई नहीं बना रहता है। बार-बार सुख और दुख की अनुभूति व्यक्ति में विचलन पैदा करती है, जो अंतत: अवसाद का कारण बनता है।आनंद सभा में सहभागी विद्यार्थियों में आराध्या मिश्रा, आकृति सतनामी, अन्यया सेन, लक्ष्य सिंह, देवांश मिश्रा, दिव्यांशु शर्मा, आशुतोष मिश्रा ने अपनी जिज्ञासा प्रकट करके जानना चाहा कि आनंद और आवेश में अंतर क्या है। लखन लाल असाटी ने उदाहरण के माध्यम से यह स्पष्टता लाने का प्रयास किया कि सुख की अनुभूति सतत रहती है जबकि आवेश नशे की तरह है। जिसके उतर जाने पर हमें अपने किए पर पछतावा भी होता है।

उन्होंने कहा कि खुद, परिवार, समाज और प्रकृति के साथ जब हमारा सही-सही जीना होता है तो यह हमारे स्थाई आनंद का कारण बन जाता है। यदि हमने अपने परिवार समाज और प्रकृति के साथ कभी कुछ अच्छा किया है तो तत्काल तो हमें सुख मिलता है। आनंद सभा के माध्यम से छात्रों का ध्यान उनके जीवन मूल्यों की ओर दिलाया गया। उन्होंने कहा कि अभी उन्हें अपने खुद पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है और वह ऐसा करेंगे भी विद्यार्थियों को अपनी आवश्यकताओं क्रियायो और रिस्पांस की भी समझ बनी।

आज निकलेगी कलश यात्रा, महालक्ष्मी मंदिर में शुरू होगा 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

छतरपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय गायत्री परिवार के तत्वाधान में सरानी दरवाजा बाहर महालक्ष्मी मंदिर में 10 दिसंबर से 13 दिसंबर तक 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा। इसके लिये शनिवार को दोपहर 2 बजे से मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी। इसके बाद महायज्ञ आरंभ हो जायेगा।

छतरपुर गायत्री परिवार के जयप्रकाष खरे, डा श्याम बिहारी सक्सेना, विनोद श्रीवास्तव और राकेश सक्सेना ने बताया कि 10 दिसंबर को 24 कुंडीय महायज्ञ के पहले दोपहर 2 बजे से गायत्री मंदिर से एक भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जायेगी। जो बस स्टेंड, चौक बाजार से होकर सरानी दरवाजा बाहर महालक्ष्मी मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद महायज्ञ आरंभ हो जायेगा। शनिवार को सायं 4 बजे से संगीतमय प्रवचन होंगे। बताया गया है कि 11 दिसंबर को सुबह 6 बजे से ध्यान साधना, प्रज्ञायोग, साढे 8 बजे से 24 कुंडीय यज्ञशाला में विधिविधान से देवपूजन के बाद यज्ञाहुतियां आरंभ होंगीं। दोपहर 2 बजे से कार्यकर्ता संवाद, सायं 4 बजे से संगीतमय प्रवचन होंगे। अगले दिन मंगलवार को सुबह 6 बजे से ध्यान योग, प्रज्ञायोग, साढे आठ बजे से महायज्ञ व सभी संस्कार, सायं 4 बजे से संगीत, प्रवचन और विराट दीपयज्ञ का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 13 दिसंबर को सुबह 6 बजे से ध्यान साधना व प्रज्ञायोग, सुबह साढे 8 बजे से महायज्ञ सहित संस्कार के बाद अंत में महापूर्णाहुति के साथ महायज्ञ संपन्न हो जायेगा। गायत्री परिवार ने सभी साधकों सहित आमजन से इस महायज्ञ में शामिल होने का आग्रह किया है।

साहित्य

वह गीतकार जिसने गुलाम भारत में अंग्रेज़ों को ललकारा

'दूर हटो ऐ दुनिया वालों...'

संदर्भ : 11 दिसम्बर, गीतकार प्रदीप का स्मृति दिवस

■ ज़ाहिद ख़ान

हिंदी सिनेमा में गीतकार प्रदीप वह हस्ती हैं, जो अपने देश प्रेम और देशभक्ति गीतों की वजह से सारे देश में जाने-पहचाने जाते हैं। साल 1943 में फ़िल्म 'किस्मत' में लिखे उनके क्रांतिकारी गीत %दूर हटो ऐ दुनिया वालों...' की लोकप्रियता से घबराकर, बर्तानिया हुकूमत ने गीतकार प्रदीप के ख़िलाफ़ गिरफ़्तारी वारंट जारी कर दिया था। जिसके चलते प्रदीप कई दिनों तक अंडरग्राउंड रहे, लेकिन न तो फ़िल्म से यह गाना हटाया गया और न ही उन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत से माफ़ी मांगी। उस ज़माने में यह गीत इस क़दर लोकप्रिय हुआ कि सिनेमाघरों में दर्शक इसे बार-बार सुनने की फ़रमाइश करते थे। आलम यह था कि दर्शकों की फ़रमाइश पर फ़िल्म के आख़िर में इस गीत को दोबारा सुनाया जाने लगा। गीतकार प्रदीप के देशभक्ति गीत की बात हो, और 'चल चल रे नौजवान...'का ज़िक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। फ़िल्म 'बंधन' (1940) में लिखे उनके इस गीत को, तो राष्ट्रीय गीत का मर्तबा मिला। वह दौर, देश की गुलामी का दौर था। सिंध और पंजाब असेंबली ने इस गीत को राष्ट्रीय गीत की मान्यता दे दी और ये गीत वहां की असेंबली में गाया जाने लगा। अदाकार बलराज साहनी, उस वक़्त लंदन में बीबीसी हिंदी रेडियो में एनाउंसर थे, वे भी इस गीत को वहां प्रसारित करने से अपने आप को नहीं रोक पाये। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस 'ऐ मेरे वतन के लोगों...' गीत के बिना अधूरा होता है।

> **साल 1954 में आई फ़िल्म 'जागृति' में भी गीतकार प्रदीप ने कई यादगार गीत लिखे। 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की...', 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के...,' और 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड़ग बिना ढाल...' आदि गीतों ने बच्चों में जितनी धूम उस ज़माने में मचाई थी, उतनी ही मक़बूलियत आज भी क़ायम है। एक के बाद एक आये इन देशभक्ति भरे गीतों ने कवि प्रदीप को राष्टकवि का मर्तबा दिला दिया। प्रदीप को सिर्फ़ देशभक्ति भरे गीत लिखने में ही अकेले महारत नहीं थी, बल्कि उन्होंने अनेक धार्मिक और दार्शनिक गीत भी सफलता से लिखे।**

साल 1954 में आई फ़िल्म 'जागृति' में भी गीतकार प्रदीप ने कई यादगार गीत लिखे। 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की...', 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के...,' और 'दे दी हमें आज़ादी बिना खड़ग बिना ढाल...' आदि गीतों ने बच्चों में जितनी धूम उस ज़माने में मचाई थी, उतनी ही मक़बूलियत आज भी क़ायम है। एक के बाद एक आये इन देशभक्ति भरे गीतों ने कवि प्रदीप को राष्ट्रकवि का मर्तबा दिला दिया। प्रदीप को सिर्फ़ देशभक्ति भरे गीत लिखने में ही अकेले महारत नहीं थी, बल्कि उन्होंने अनेक धार्मिक और दार्शनिक गीत भी सफलता से लिखे। उनकी मधुर आवाज़ ने इन गीतों को और नई ऊंचाईयां दीं। 'देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान' (फ़िल्म-नास्तिक), 'तेरे द्वार खड़ा भगवान' (फ़िल्म-वामन अवतार), 'काहे को बिसारा हरी नाम...', 'माटी के पुतले...' (फ़िल्म-चक्रधारी), 'पिंजरे के पंक्षी रे...' (फ़िल्म-नागमणि), 'कोई लाख करे चतुराई...' (फ़िल्म-चंडीपूजा), 'दूसरों का दुखड़ा दूर करने वाले' (फ़िल्म-दशहरा), 'मुखड़ा देख ले प्राणी' (फ़िल्म-दो बहन), 'सुख दुःख दोनों रहते' (फ़िल्म-कभी धूप कभी छांव)। प्रेरणास्पद गीत लिखने में भी प्रदीप का कोई सानी नहीं था। फ़िल्म 'पैग़ाम' का 'इंसान का इंसान से हो भाईचारा...' और फ़िल्म 'संबंध' का 'चल अकेला चल अकेला तेरा मेला पीछे छूटा....' ऐसे ही कुछ नग़में हैं, जिनके ज़रिए उन्होंने समाज को एक पैग़ाम देने की कोशिश की। यह गाने आज भी अंधेरे में हमें एक नई राह दिखलाते हैं।

कवि प्रदीप ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। अपने कॉलेज के दिनों में वह आनंद भवन के नज़दीक रहते थे। पं. जवाहरलाल नेहरू का घर होने की वजह से यह स्थान उस वक़्त सियासत का मरक़ज था। जहां आये दिन सियासी बैठकें होती रहतीं। नौजवान रामचन्द्र नारायण द्विवेदी भी इनमें शामिल होते। उन्हें बचपन से ही लिखने का भी बड़ा शौक़ था। साहित्यिक दिलचस्पी बढ़ी, तो गीत-कविताएं लिखने लगे। इलाहाबाद के साहित्यिक वातावरण ने उनके इस शौक़ को और बढ़ाया। वह कवि सम्मेलनों में शिरकत करने लगे और उन्होंने अपना उपनाम %प्रदीप% रख लिया। अपने उत्कृष्ट लेखन और सुरीली आवाज़ से वह थोड़े से ही अरसे में साहित्यिक जगत में लोकप्रिय हो गए। यहां तक कि महाकवि निराला भी उनके गीत-कविताओं की तारीफ़ करने से अपने आप को नहीं रोक पाए। कवि प्रदीप फ़िल्मों में कैसे आये ?, इसका मुख़्तर सा क़िस्सा कुछ इस तरह से है, एक बार वह कवि सम्मेलन के लिए मुंबई गए, तो उनकी मुलाक़ात 'बॉम्बे टॉकीज' से जुड़े निर्देशक एनआर आचार्य से हुई। उन्होंने प्रदीप को 'बॉम्बे टॉकीज' के मालिक हिमांशु रॉय से मिलवाया। उन्होंने प्रदीप को अपनी फ़िल्म 'कंगन' के लिए साइन कर लिया। हर महीने उनकी तनख़्वाह 200 रुपए मुक़र्रर की गई। ज़ाहिर है वह इस नौकरी के वास्ते मुम्बई में ही शिफ़्ट हो गए। बतौर गीतकार प्रदीप ने इस फ़िल्म में चार गाने लिखे और इनमें से तीन को अपनी आवाज़ भी दी। साल 1939 में आई इस फ़िल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिल्वर जुबली मनाई। फ़िल्म में उनके लिखे गीत 'हवा तुम धीरे बहो...', 'हम आज़ाद परिंदों को..' ख़ूब लोकप्रिय हुए।

'कंगन' फ़िल्म की कामयाबी के बाद गीतकार प्रदीप 'बॉम्बे टॉकीज' का अभिन्न हिस्सा हो गए। बाद में 'बॉम्बे टॉकीज' की ही फ़िल्म 'बंधन', 'पुनर्मिलन', 'झूला', 'नया संसार' और 'किस्मत' में भी उन्होंने गाने लिखे। अपने गानों की वज़ह से इन फ़िल्मों ने एक नया इतिहास रचा। यह वह दौर था, जब देश में चारों और 'भारत छोड़ो आंदोलन' की गूंज थी। प्रदीप के लिखे गीत 'दूर हटो ऐ दुनियावालों हिंदुस्तान हमारा है' ने उन्हें बड़ा गीतकार बना दिया। %भारत छोड़ो आंदोलन% में ये गीत सत्याग्रहियों के लिए एक नारा बन गया था। फ़िल्म 'किस्मत' के बाक़ी गीत भी सुपर हिट साबित हुए। ख़ास तौर से 'धीरे-धीरे आ रे बादल...', 'पपीहा रे मेरे पिया से', 'अब तेरे सिवा कौन मेरा..' गानों ने देश के घर-घर में धूम मचा दी। अपने गीत-संगीत की वज़ह से ही 'किस्मत' देश की पहली गोल्डन जुबली फ़िल्म बनी। फ़िल्म 'पैग़ाम' में प्रदीप ने अलग ही रंग के गीत लिखे। ख़ास तौर पर 'ओ अमीरों के परमेश्वर'। इस गाने के ज़रिये उन्होंने अमीरों की दुनिया में ग़रीबों की परेशानियों को बड़े ही संवेदनशीलता से दिखलाया है, ''ऐसा लगता ग़रीबों के जग में/आज रखवाला कोई नहीं/ऐसा लगता के दुखियों के आंसू/पोछने वाला कोई नहीं/ओ अमीरों के परमेश्वर।''

साल 1954 में आई फ़िल्म 'नास्तिक' के गीतों से प्रदीप को धार्मिक गीतकार के तौर पर नई पहचान मिली। इस फ़िल्म में उन्होंने न सिर्फ़ गीत लिखे, बल्कि उन्हें गाया भी। ज़ाहिर है कि यह फिल्म भी कामयाब रही। साल 1975 में आई छोटे बजट की फ़िल्म 'जय मां संतोषी' भी गीतकार प्रदीप के गीतों की वजह से पूरे देश में ख़ूब चली। 'मैं तो आरती उतारूं मां', 'यहां वहां जहां तहां', 'करती हूं मैं तुम्हार व्रत मैं' और 'मदद करो संतोषी मां' फ़िल्म के सारे गानों ने लोकप्रियता की नई मिसाल पेश की। साल 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान कवि प्रदीप ने सैनिकों की शहादत और उनके सम्मान में 'ऐ मेरे वतन के लोगों....' लिखा। इस गाने को पूरे देश में क्या मक़बूलियत मिली, अब यह एक इतिहास है। कवि प्रदीप के ही सुझाव पर इस गाने से हुई कमाई को युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं के कल्याण के लिए दिया जाता है।

गीतकार प्रदीप ने इकहत्तर फ़िल्मों में तक़रीबन सत्रह सौ गाने लिखे। साल 1958 में एचएमवी ने उनकी तेरह कविताओं से सजा एक एलबम 'राष्ट्रकवि' निकाला। प्रदीप वैसे तो कई पुरस्कार-सम्मानों से नवाज़े गए। साल 1961 में उन्हें 'संगीत नाटक अकेदमी अवार्ड' तो साल 1997 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान 'दादा साहेब फ़ाल्के सम्मान' से नवाज़ा गया। मध्य प्रदेश जहां प्रदीप ने जन्म लिया, यहां की सरकार ने उनकी स्मृति में 'राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान' स्थापित किया है। जो हर साल किसी गीतकार को दिया जाता है। 'राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' और 'संत ज्ञानेश्वर सम्मान' से भी वह सम्मानित किए गए, लेकिन देश की सरकारों ने उन्हें अपने सबसे बड़े नागरिक सम्मानों 'पद्म श्री', 'पद्म भूषण' आदि के क़ाबिल नहीं समझा। जबकि उनसे कई दर्जे जूनियर और कम प्रतिभावान लोगों को इन सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। आज भले ही गीतकार प्रदीप हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपने देशभक्ति गीतों की वज़ह से हमेशा अमर रहेंगे। देशवासी उन्हें कभी भुला नहीं पायेंगे।

कविता

वर्णमाला

■ मंगलेश डबराल

एक भाषा में अ लिखना चाहता हूँ
अ से अनार अ से अमरूद
लेकिन लिखने लगता हूँ अ से अनर्थ अ से अत्याचार
कोशिश करता हूँ कि क से क़लम या करुणा लिखूँ
लेकिन मैं लिखने लगता हूँ क से क्रूरता क से कुटिलता
अभी तक ख से खरगोश लिखता आया हूँ
लेकिन ख से अब किसी ख़तरे की आहट आने लगी है
मैं सोचता था फ से फूल ही लिखा जाता होगा
बहुत सारे फूल
घरो के बाहर घरों के भीतर मनुष्यों के भीतर
लेकिन मैंने देखा तमाम फूल जा रहे थे
ज़ालिमों के गले में माला बन कर डाले जाने के लिए
कोई मेरा हाथ जकड़ता है और कहता है
भ से लिखो भय जो अब हर जगह मौजूद है
द दमन का और प पतन का सँकेत है
आततायी छीन लेते हैं हमारी पूरी वर्णमाला
वे भाषा की हिंसा को बना देते हैं
समाज की हिंसा
ह को हत्या के लिए सुरक्षित कर दिया गया है
हम कितना ही हल और हिरन लिखते रहें
वे ह से हत्या लिखते रहते हैं हर समय ।

बोधकथा

मिट्टी ने मटके से पूछा- 'मैं भी मिट्टी तू भी मिट्टी, परंतु पानी मुझे बहा ले जाता है और तुम पानी को अपने में समा लेते हो. वह तुम्हें गला भी नहीं पाता, ऐसा क्यों?' मटका हंसकर बोला- 'यह सच है कि तू भी मिट्टी है और मैं भी मिट्टी हूं. पर मेरा संघर्ष अलग है. पहले मैं पानी में भीगा, पैरों से गूंथा गया फिर चाक पर चला कुम्हार के. थापी की चोट, आग की तपन को झेला. संघर्ष झेलकर पानी को अपने में रखने की ताकत मैंने पायी.
मंदिर की सीढ़ियों पर जड़े पत्थर ने मूर्ति के पत्थर से पूछा- 'भाई तू भी पत्थर मैं भी पत्थर पर लोग तुम्हारी पूजा करते हैं और मुझे पैरों से रौंदकर, बिना ध्यान दिये चलते हैं. ऐसा क्यों?
मूर्ति के पत्थर ने उत्तर दिया- क्या तू मेरे संघर्ष को जानता है? मैंने इस शरीर पर कितनी छैनियों के प्रहार सहे हैं, मुझे कई बार घिसा गया है, मार और संघर्ष की पीड़ा को सहकर ही मैं इस रूप में आया हूं. संघर्षों की भट्टी में तपकर ही 'जीवन' स्वर्ण बनता है.

प्रस्तुति : श्रीकांत कुलश्रेष्ठ

व्यंग्य ■ जश्रीलाल शुक्ल

दो आदमी पुराने

कुछ दिन हुए, रामानंदजी और राकेशजी अपने-अपने पेशे से रिटायर हो कर सिविल लाइन्स में बस गए थे। अपने यहाँ का चलन है कि रिटायर होने के बाद और इस लोक से ट्रांसफर होने के पहले बहुत से लोग सिविल लांइस में बँगले बनवा लेते हैं। इन्होंने भी वहाँ अपने-अपने बँगले बनवा लिए।

रामानंदजी किसी समय में चोरी किया करते थे। वे पुराने स्कूल के चोर थे। इस कारण उनका विश्वास तांत्रिक क्रियाओं में भी था। बाद में चोरी सिखलाने के लिए उन्होंने एक नाइट स्कूल भी खोला। कुछ समय बीतने पर चोरी के माल के क्रय-विक्रय की उन्होंने एक दुकान कर ली। इस सबसे अब वे रिटायर हो चुके थे और अपने को रिटायर कहा करते थे।

> **राकेशजी रिटायर तो हो चुके थे, पर चूँकि वे कवि थे इस कारण वे अपने को रिटायर मानने को तैयार न थे। कभी उन्होंने एम.ए. पास किया था; और फिर वे एक कॉलेज में प्रोफेसर हो गए थे। उस पेशे में तो वे ज्यादा नहीं चल पाए पर कवि की हैसियत से उन्हें ऊँचा स्थान मिल गया था। अर्थात अब तक उनके पास उनकी अपनी कविताएँ थी, अपने प्रकाशक थे, अपने ही आलोचक थे, अपने ही प्रशंसक और पुरस्कारदाता थे। इधर कुछ आलोचक उन्हें कविता के क्षेत्र में भी रिटायर कहने लगे थे।**

राकेशजी रिटायर तो हो चुके थे, पर चूँकि वे कवि थे इस कारण वे अपने को रिटायर मानने को तैयार न थे। कभी उन्होंने एम.ए. पास किया था; और फिर वे एक कॉलेज में प्रोफेसर हो गए थे। उस पेशे में तो वे ज्यादा नहीं चल पाए पर कवि की हैसियत से उन्हें ऊँचा स्थान मिल गया था। अर्थात अब तक उनके पास उनकी अपनी कविताएँ थी, अपने प्रकाशक थे, अपने ही आलोचक थे, अपने ही प्रशंसक और पुरस्कारदाता थे। इधर कुछ आलोचक उन्हें कविता के क्षेत्र में भी रिटायर कहने लगे थे।

दोनों पड़ोसी थे। दोनों को एक-दूसरे के पुराने व्यवसाय का ज्ञान था। उनमें मित्रता हो गई। दोनों प्रायः हर बात में एकमत रहते थे। दोनों यही समझते थे कि इस युग में योग्यता और कला का ह्रास हो रहा है और आज की पीढ़ी बिल्कुल जाहिल, निरर्थक और अयोग्य है।

इसीलिए एक दिन लॉन में टहलते-टहलते राकेशजी ने कहा, 'आज की पढ़ाई में रक्खा ही क्या है? मैं आठवें दर्जे में हिंदी कविता का अर्थ अंग्रेजी में लिखता था। अब बी.ए. में अंग्रेजी कविता का अर्थ हिंदी में लिखाया जाता है।'

रामानंदजी बोले, 'आप ठीक कहते हैं। हमारे जमाने में कुछ लोग फर्श पर डंडा ठोंक कर जमीन में गड़े हुए धन का हाल जान लेते थे। आज के दिन सामने कपड़े से ढँकी तिजोरी रक्खी रहती है और लोग उसे मेज समझ कर बिना छुए ही निकल जाते हैं।'

राकेशजी ने कहा, 'और जम कर साधना करने का तो समय ही चला गया है। आजकल...।'

बात काट कर रामानंदजी बोले, 'साधना अब कौन कर सकता है? हम लोगों ने अमावस की रात में मसान जगाया था। मुर्दे की खोपड़ी में चावल पका कर उसे जिस घर में डाल देते वहाँ का माल...।'

राकेशजी ने जल्दी में कहा, 'नहीं नहीं, वैसी साधना से मेरा मतलब नहीं है। मैं साहित्य-साधना की बात कर रहा हूँ। आजकल लोग व्याकरण, पिंगल, काव्यशास्त्र का नाम तक नहीं जानते और नई-नई बातों के आविष्कारक बन जाते हैं। कोई दो-दो पंक्तियों को लिए मुक्तक लिख रहा है, अतुकांत चला रहा है, कोई क्रियाओं के नए-नए प्रयोग भिड़ा रहा है : और पूछ बैठिए कि अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया में क्या भेद है तो अंग्रेजी बोलने लगेंगे।'

एक गहरी साँस खींच कर रामानंदजी बोले, 'आप सच कहते हैं, अपने यहाँ भी यही दशा है। दीवाल की कौन कहे, कागज पर कायदे की सेंध नहीं लगा सकते और बात करेंगे सिटकनी खोलने की, रोशनदान तोड़ने की, जेब काटने की। नई-नई तरकीबों की डींग हाँकेंगे। और पुरानी...।'

राकेशजी अपनी धुन में कहते गए, 'और विनम्रता तो रही ही नहीं। कुछ सिखाओ तो सीखेंगे नहीं। कुछ बताओ तो बिना समझे-बूझे अकड़ने लगेंगे। आज के साहित्यिक, साहित्यिक नहीं - लठैत हैं, लठैत।'

रामानंदजी समर्थन करते हुए बोले, 'साहित्यिकों के क्या पूछने राकेशजी। यहाँ तो अबके चोर नहीं रहे। वे तो डकैत हैं, डकैत। अपना पुराना तरीका तो यह था कि घर में घुसे और बच्चे ने खाँस दिया तो विनम्रतापूर्वक बाहर निकल आए। पर आजकल के ये लोग किसी को जागता हुआ पा जाएँ तो...' सहम कर उन्होंने वाक्य पूरा किया, '%बाप रे बाप..'

अब राकेशजी उत्साहित हो गए और बोले, 'ये सब जाहिल हैं, निरर्थक हैं। पहले तो लिखते-लिखते हाथ ऐसा मँज जाता था कि पाठक बिना पढ़े ही दूर से समझ जाते थे कि अमुक कवि की कविता है। उस पर उनका व्यक्तित्व झलकता था...।'

रामानंदजी ने धीरे से कहा, 'यही तो। सेंध की शकल देख कर लोग कह देते थे कि यह फँला ने लगाई है। अब तो सिटकनी खुली पड़ी है...।'

उपमा राकेशजी को पसंद आ गई। 'बोले, 'आजकल यही तो है ही। साहित्य के दरवाजे की सिटकनी अंदर से खोल-खोल कर न जाने कितने लोग घुस आए हैं।'

बिन समझे हुए, रामानंद जी ने कहा, 'जी हाँ, पहले तो सेंध का ही चलन था।'

राकेशजी ने जल्दी से कहा, 'जी, आप मेरा मतलब नहीं समझे। मैं कहा रहा था कि...।'

अकस्मात उन्होंने चौंक कर कुरते की जेब पकड़ ली। रामानंदजी का हाथ उनकी मुट्ठी में आ गया। नाराजगी से राकेशजी बोले, 'यह क्या? आप मेरी जेब काट रहे थे।'

रामानंदजी ने विनम्रता से हाथ छुड़ा कर कहा, 'यही समझ लीजिए। बात यह है कि...बात यह है कि ये नौसिखिए कुछ काम तो बड़ी सफाई से कर दिखाते हैं। मैं आपस में वही देख रखा था कि यह जेब वाला काम मुझसे भी चल पाता या नहीं।'

रामनंदजी नर्म पड़े। बोले, 'देख लिया आपने।'

बिना उत्साह के, रामानंदजी साँस खींच कर बोले, 'देख लिया राकेशजी यह सब के बूते की बात नहीं। जो हमने कर लिया वह आज वाले नहीं कर पाते हैं। पर इनके भी कुछ ऐसे खेल हैं जो हम नहीं खेल पाते। अपना-अपना जमाना है।'

सहसा राकेशजी बिगड़ कर बोले, 'यह सब आप ही के यहाँ चलता होगा। अपने यहाँ तो अब भी जो कहिए, करके दिखा दूँ। रामानंदजी, यह तो करने की विद्या है। चाहे कवित्व हो, चाहे कविता हो, या हो नई कविता। लिखूँगा तो अब भी आजकल वालों से अच्छा ही लिखूँगा।'

रामानंदजी राकेशजी की ओर देखते रहे। उनमें कभी मतभेद नहीं हुआ था। पहली बार उन्हें लगा कि कुछ ऐसी भी बातें हैं जहाँ उनकी राय हमेशा एक नहीं होगी।

राघौगढ़ की आभार सभा में पहुंचे मुख्यमंत्री, बोले-

कांग्रेस को ईवीएम ने नहीं अहंकार ने हराया

बहनों से बोले- तुम्हारी जिंदगी में कभी अंधेरा नहीं होने दूंगा

गुना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को राघौगढ़ में धन्यवाद सभा को संबोधित करने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने राघौगढ़ से भाजपा प्रत्याशी हीरेन्द्र का हाथ उठाते हुए कहा कि हीरेन्द्र हारे नहीं हैं उन्हें जनता ने 91 हजार से अधिक वोट दिए हैं। यह हारे नहीं हैं यह तो जीते हैं। आपने जो प्यार, दुलार और विश्वास बंटी बना पर जताया है, वह आपको विश्वास दिलाता है कि यह विश्वास मैं कभी आपका टूटने नहीं दूंगा।

मुख्यमंत्री पूर्व सीएम दिग्विजय के गृह नगर राघौगढ़ में आभार सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ईवीएम ने नहीं बल्कि उनके अहंकार ने हराया है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय जी एवं कमलनाथ जी हर बार ईव्हीएम को दोष देते हैं, यदि ऐसा होता है तो हम बंटी को दो-चार हजार वोटों से पीछे क्यों रहने देते। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी बंटी बना की तरफ मुखातिब होते हुए कहा कि बंटी तुम तो राघौगढ़ देखोंगे ही हम भी यहां से चुनाव लड़ चुके हैं, हम भी राघौगढ़ देखेंगे, दोनों मिलकर राघौगढ़ देखेंगे। मैं यहां से 2003 में चुनाव लड़ा था। मैंने तब सोचा था कि यह मुख्यमंत्री का क्षेत्र है विकास तो बहुत हुआ होगा। लेकिन यहां आकर देखा तो न सडक़ें थी न लाईट थी। सडक़ में गढ्डे नहीं थे, गढ्डों में सड़क थी। लाड़ली बहनाओं तुमने आरती उतारी है तुम्हारे शिवराज भाई का संकल्प है कि तुम्हारी जिंदगी में कभी अंधेरा नहीं होने देगा। सभा के दौरान मुख्यमंत्री पद का फैसला होने से पहले शिवराज आत्मविश्वास से लबरेज नजर आए। इसके पूर्व मुख्यमंत्री हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक रोड शो करते हुए पहुंचे। राघौगढ़ वालों आपने फूल वर्षा कर स्वागत किया है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं राघौगढ़ के विकास में कोई कांटा नहीं रहने दिया जाएगा। बंटी बना के नेतृत्व में राघौगढ़ के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राघौगढ़ को जो लोग जागीर मानते हैं और जिन्होंने कई सीटों पर जीत दिलाने का ठेका लिया था वहां भाजपा कहीं 50 हजार तो कहीं 60 हजार वोटों से प्रचंड जीत दर्ज की है।

हम हार कर प्रसन्न हैं, वह जीत कर भी सदमे में हैं : बंटी बना

स्वागत भाषण देते हुए राघौगढ़ से भाजपा प्रत्याशी रहे हीरेन्द्र सिंह बंटी बना ने राघौगढ़ की जनता जर्नादन का झुककर आभार जताया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मेरे पास मुख्यमंत्री का फोन आया कि मैं राघौगढ़ का आभार जताना चाहता हूं इसलिए कल ही आऊंगा। ऐसे संवेदनशील मुख्यमंत्री का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। श्री बना ने कहा कि हम धन्यवाद देने इसलिए आएं हैं क्योंकि यहां हम हारे नहीं जीते हैं। हमने तो राघौगढ़ का इतिहास बदल दिया। यहां लोगों को धमकाया जाता था कि झंडे मत लगाना। हमने कहा ठीक है भैया झंडा तुम लगा लो, लेकिन वोट मामा जी को ही देना। श्री बना ने विधायक जयवर्धन सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम हार कर भी प्रसन्न हैं वह जीतकर भी सदमे में हैं। मैं मतगणना में नहीं आया। मुझे कार्यकर्ताओं पर विश्वास था। जब हम हारकर भी मतगणना स्थल पर पहुंचे तो हमारा स्वागत जीत जैसा हुआ। इस मौके पर श्री बना ने कहा कि चांचौड़ा और गुना विधायक को जीत की बधाई देते हुए कहा कि चांचौड़ा में भी बहन प्रियंका मीना ने इतिहास कायम कर दिया और कईयों का अंहकार चूर कर दिया।

राहुल, खडगे सहित कई नेता रहे मौजूद

दिल्ली में हुआ कांग्रेस की हार के कारणों पर हुआ मंथन

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली हार के कारणों को जानने के लिए शुक्रवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक हार के कारणों पर मंथन तो किया गया, लेकिन किसी को हार का जिम्मेदार नहीं ठहराया गया, न ही किसी से इस्तीफा मांगा गया, बल्कि प्रदेश कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने पर बल दिया गया। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को प्रदेश में लोकसभा चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। कमलनाथ ने आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी का खाका पेश किया। प्रदेश के नेताओं ने आलाकमान को बताया कि लोकसभा चुनाव की रणनीति के बारे में बताया।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 230 सदस्यीय सदन में 163 सीट जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी है। कांग्रेस सिर्फ 66 सीट ही जीत सकी। इसी हार को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने मध्यप्रदेश इकाई के साथ मंथन किया। बैठक में नतीजों को स्वीकार करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मध्यप्रदेश के चुनावी नतीजों का गहराई से विश्लेषण किया। कांग्रेस से मध्य प्रदेश का मन जीतने में कहां कमियां रहीं, इस पर आत्ममंथन और विश्लेषण किया गया और चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और गांधी ने भविष्य को लेकर कुछ सुझाव भी दिए।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि जनता ने यदि कांग्रेस को प्रदेश में विपक्ष की भूमिका अदा करने का आदेश दिया है। कांग्रेस एक सजग पहरेदार की तरह उसे स्वीकार करेगी ओर एक पहरेदार की तरह प्रदेश की जनता की रक्षा करेगी। भाजपा द्वारा चुनाव में उनसे किए गए वायदों को लागू कराने के प्रयास करेगी। श्री सुरजेवाला ने कहा कि मध्यप्रदेश में यदि किसी के साथ कोई भी अन्याय हुआ तो कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता जनता के साथ खड़े रहेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह, पार्टी महासचिव तथा प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल, ओमकार सिंह पटेल सहित कई नेता मौजूद थे।

प्रदेश संगठन में होगा बदलाब : बैठक के बाद यह संकेत मिले हैं कि प्रदेश संगठन में बदलाव होगा, क्योंकि बैठक में इस संबंध मे राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे को अधिकृत किया गया है। साथ में यह भी तय किया गया है कि खुद कमलनाथ से प्रदेश संगठन का नया खाका प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। सुरजेवाला ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि बैठक में श्री खरगे को अधिकृत किया गया है कि अगली संगठन और विधायक दल की कार्यवाही के लिए वो अपना मार्गदर्शन मार्गदर्शन दें कि संगठन की रचना किस प्रकार हो, संगठन को आगे बढ़ाया जाए।

पार्टी विधायक दल की शीघ्र होगी बैठक : बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जल्द ही पार्टी की विधायक दल की बैठक बुलाई जाएंगी, जिसमें नेता प्रतिपक्ष का नाम तय किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष से नेताओं ने यह अनुरोध भी किया है कि विधायक दल की बैठक के लिए जल्द पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएं, ताकि विधायकों की राय लेकर विपक्ष का अगला नेता तय हो सके।

राजभवन में हुई विकसित भारत अभियान की समीक्षा

प्रधानमंत्री 11 दिसम्बर को वर्च्यु अली करेंगे शुभारम्भ

भोपाल, देशबन्धु। विकसित भारत अभियान 2047 के शुभारम्भ कार्यक्रम की तैयारियों की आधिकारिक स्तर पर समीक्षा बैठक आज राजभवन में सम्पन्न हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 11 दिसम्बर को वर्च्युअली कार्यक्रम का शुभारम्भ करेंगे। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विश्वविद्यालयों के छात्र, संकाय सदस्य उपस्थित होंगे। प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के प्राध्यापक तथा छात्र कार्यक्रम में वर्च्युअली जुड़ेंगे। कार्यक्रम के शुभारम्भ के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विशेषज्ञों के पेनल डिस्कशन और राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के संबोधन के कार्यक्रम होंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी राजभवन में आयोजित बैठक में आज दी गई।

बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा ने विकसित भारत 2047 की संकल्पना और 11 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आभासी माध्यम से शुभारम्भ कार्यक्रम के उपरांत पेनल डिस्कशन के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में इनोवेशन, साइन्स एण्ड टेक्नॉलोजी और थ्राइविंग एण्ड सस्टेनेबल इकोनॉमी विषयों पर विशेषज्ञों के पेनल डिस्कशन किये जायेंगे। वर्ष 2047 में विकसित भारत अभियान की संकल्पना पर छात्र-छात्राओं के मध्य चर्चा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, भोपाल स्थित केन्द्रीय, शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति और चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा के अखिल भारतीय संस्थानों के निदेशक, फिजिकली उपस्थित थे। प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि वर्च्यूली बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री से निः शक्तजन आयुक्त ने भेंट की

राष्ट्रपति से प्राप्त राष्ट्रीय अवार्ड की दी जानकारी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आज मुख्यमंत्री निवास में निःशक्तजन आयुक्त श्री संदीप रजक ने भेंटकर हाल ही में राष्ट्रपति से प्राप्त राष्ट्रीय अवार्ड की जानकारी दी। श्री रजक ने बताया कि मध्यप्रदेश को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, दिव्यांगजन के शिक्षण, पुनर्वास, रोजगार, स्वरोजगार, खेल और बाधा रहित वातावरण के निर्माण के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश यूडीआईडी कार्ड बनाने में भी अग्रणी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निःशक्तजन आयुक्त एवं उनके विभागीय अमले को इस अवार्ड के लिए बधाई दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस, 3 दिसम्बर को नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के निःशक्तजन आयुक्त को दिव्यांग कल्याण क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य के लिए पुरस्कृत किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने ये पुरस्कार प्रदान किए। मध्यप्रदेश को सुगम्य भारत अभियान के क्रियान्वयन के लिए भी सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश में जिलास्तर पर चलित न्यायालय और विशेष बैठकों के साथ ही दिव्यांगजन की समस्याओं के निराकरण के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम और शिविर लगाने की गतिविधियां भी संचालित हुईं। जिसके फलस्वरूप कल्याणकारी योजनाओं से दिव्यांगजन को जोड़ने में सफलता मिली।

मुख्यमंत्री से मिले शुक्ल सहित कई नव निर्वाचित विधायक

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्रीशिवराज सिंह चौहान से आज समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में जनसंपर्क मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं मंत्री श्री शुक्ल ने परस्पर बधाईयों का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पटेल और भार्गव सहित 2 दर्जन विधायक पहुंचे विधानसभा, पूरी की औपचारिकताएं

शनिवार और रविवार को भी खुलेगा विधानसभा का स्वागत कक्ष

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और नवनिर्वाचित विधायक प्रहलाद पटेल और रहली से 9वीं बार चुनकर विधानसभा पहुंचे गोपाल भार्गव सहित शुक्रवार को 2 दर्जन विधायक विधानसभा पहुंचे और औपचारिकताएं पूरी की।

नवनिर्वाचित विधायक श्री पटेल और भार्गव ने विधानसभा पहुंचकर प्रमुख सचिव से सौजन्य भेंट कर चर्चा की। इसके बाद प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। श्री पटेल के साथ पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल भी थे। उसके बाद विधायक ने स्वागत कक्ष में जाकर अपना निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया, डिजिटल हस्ताक्षर किए, मेडिकल परीक्षण करवाया,परिचय पत्र के लिए छायाचित्र खिंचवाया तथा प्रमुख सचिव ने उन्हें साहित्य भेंट किया।

इसी तरह आज अन्य सदस्यों में नागेंद्र सिंह, इंदरसिंह परमार, अनिल जैन,कटंगी विधायक गौरव पारधी,बरगी विधायक नीरज सिंह लोधी आदि सदस्यों ने भी प्रमुख सचिव से सौजन्य भेंट कर विधायी जानकारी प्राप्त की तथा पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण की। विधानसभा आए सदस्यों में हरि सिंह सप्रे, फुंदेलाल मार्को, करण सिंह वर्मा, लखन पटेल, वीरेंद्र सिंह लोधी,डॉ प्रभुराम चौधरी, उमंग सिंगार, गौरव सिंह पारधी, गोपाल सिंह आपटा, राजेंद्र मेश्राम, रामनिवास शाह, महेंद्र हार्डिया, सतीश सिकरवार, नीरज सिंह ठाकुर लोधी, नरेन्द्र प्रजापति, आतिफ अकील, श्याम बरड़े, मोहनसिंह राठौर, अनिल काजूहेड़ा विधानसभा पहुंचे।

प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्यों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों मे भी शनिवार 9 दिसंबर और रविवार 10 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से स्वागत कक्ष खोला जाएगा।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जाएगा। अभियान में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने संबंधित सीएमएचओ, सिविल सर्जन और जिला टीकाकरण अधिकारियों को एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने निर्देश दिए हैं।

डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी तथा अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

प्रदेश में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं विद्यमान

उत्तराखंड की तकदीर बदल देगा निवेश

देहरादून, देशबन्धु। प्रदेश राजधानी के एफआरआई में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा की उत्तराखंड में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। जो उत्तराखंड की तकदीर बदलकर रख देगा। पर्यटन से लेकर कई अन्य दूसरे क्षेत्र ऐसे हैं, जिनमें निवेश समृद्धि लेकर आएगा। इसमें कल्चर, नेचर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और योग आदि क्षेत्र शामिल हैं। मोदी ने कहा कि देश भर के उद्योगपतियों को यह समझना होगा की अपने देश में निवेश से भारत के लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा और चहुंओर समृद्धि होगी, हमें परिस्थितियों को अवसरों में बदलना पड़ेगा तभी हम सफलता के नित नए कीर्तिमान स्थापित करते जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बेहद खूबसूरत दर्शनीय स्थल हैं, जो दुनिया के किसी भी देश के पर्यटक स्थलों से कमतर नहीं हैं। ऐसे में उत्तराखंड डेस्टिनेशन वेडिंग का एक हब बन सकता है। शादियों पर बेशुमार धन खर्च करने वालों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह परिवार की कम से कम एक शादी उत्तराखंड में करेंगे तो राज्य डेस्टिनेशन वेडिंग का केंद्र बन जाएगा। विदेश में शादियों के स्थान पर देश में विवाह को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विगत 10 वर्षों में आकांक्षी भारत का निर्माण हुआ है। बड़ी आबादी नए अवसरों से स्वयं को निरंतर जोड़ रही है और देश की प्रगति में योगदान दे रही है। विगत 5 वर्षों में 13.5 करोड लोग गरीबी से बाहर आए हैं और उन्होंने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के मध्य वर्ग को अपनी क्षमताओं का आकलन करना होगा और उस पर विशऔर उस पर विश्वास जताना होगा तभी एक नया और शक्तिशाली भारत विश्व के पटल पर उभरेगा। उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों में स्थापित करने से राज्य व यहां के निवासियों को आर्थिक रूप में काफी मदद मिलेगी। उत्तराखंड के कई उत्पाद ऐसे हैं जिनमें लोकल से ग्लोबल बनने की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस दिशा में सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्र हर संभव मदद प्रदान करेगा ताकि उत्तराखंड उन्नति के नए सोपान स्थापित कर सके।

मांस खाने वाले लोगों के लिए किया अनोखा प्रदर्शन

जाली पर भुनता कुत्ता देख लोग हो गए हैरान

भोपाल, देशबन्धु। *आपने जाली पर चिकन, मटन और मछली तो भुनते हुए देखी होगी, मगर राजधानी के बोट क्लब पर शुक्रवार दोपहर पहली बार एक युवक को जाली पर कुत्ता भूनते हुए देखकर लोग आश्चर्यचकित हो गए। इसके बाद हर कोई कुत्ते को भूनने वाले से बात करने के लिए मजबूर हो गया। हालांकि यह असली नहीं बनावटी कुत्ता था।*

दरअसल अंतर्राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस से पहले, पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया के एक समर्थक ने मांस खाने वाले लोगों के लिए जाली पर कुत्ते को भूनने का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले युवक ने बताया कि यह प्रदर्शन यह संदेश देगा कि सभी जानवर मांस, खून और हड्डी से बने हैं। उनमें भी हमारी तरह विभिन्न प्रकार की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता होती है। मांस खाने का मतलब उन संवेदनशील प्राणियों की लाशें खाना है, जो अपने जीवन को महत्व देते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कुत्ते अपनी जीवन को महत्व देते हैं और मरना नहीं चाहते। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस 10 दिसंबर को मनाया जाता है।

इस अवसर परपेटा के उत्कर्ष गर्ग ने कहा कि जब दर्द सहने और डर महसूस करने की क्षमता की बात आती है, तो मुर्गियां, बकरियां और गायें कुत्तों से अलग नहीं हैं। ऐसे में पेटा इंडिया सभी जानवरों को अपनी थाली से दूर रखने के लिए उन सभी को प्रोत्साहित कर रहा है, जिसको कुत्तों का मांस खाने से घिन आती है, लेकिन अन्य जानवरों का मांस खाने में बुराई नहीं नजर आती। उन्होंने कहा कि पेटा इंडिया इस सिद्धांत में विश्वास रखता है कि जानवर हमारा भोजन बनने के लिए नहीं हैं।

कार्यालय मूल्यांकन केन्द्राधिकारी शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. सागर (म.प्र.)

दूरभाष- 9977165870, ई-मेल- excellencesagar@gmail.com

क्र./2023/मण्डल परीक्षा/उ.पु. अपलेखन/2023/679 सागर, दिनांक 05/12/2023

निविदा सूचना

विद्यालय के स्कन्ध में सुरक्षित अप्रैल 2023 में मंडल परीक्षा की मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाएं संख्या लगभग 3,05,000 की नीलामी की जाना है। इस हेतु इच्छुक क्रेताओं से निविदायें 14/12/2023 तक कार्यालयीन समय में निम्न शर्तों के अधीन आमंत्रित है -

1. अर्नेस्ट मनी (अमानत राशि) रु 30,000/- बैंक ड्रॉफ्ट प्राचार्य शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. सागर के नाम निविदा फॉर्म के साथ देय होगा।
2. निविदा आवेदन प्राप्त करने हेतु संस्था के बैंक खाता क्रमांक 10979251141 IFSC - SBIN0004543 में रुपये 500/- जमा किये जाने की रसीद प्रस्तुत करना होगी।
3. फर्म का जीवित पंजीयन होना आवश्यक है।
4. निविदा से संबधित आवश्यक शर्तें विद्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

Principal
Govt. Multi H. S. S. Sagar
(School of Excellence)

जी-21396/23

लोन नहीं होंगे महंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी

- आरबीआई ने 6.5 प्रतिशत पर रेपो रेट बरकरार रखी
- ब्याज दरों में लगातार 5वीं बार बदलाव नहीं

मुंबई, एजेंसी। भरतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार 5वीं बार ब्याज दरों बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। वहीं पिछले वित्त वर्ष में रेपो रेट 6 बार में 2.50 प्रतिशत बढ़ाई गई थी।

6 दिसम्बर से चल रही मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को दी। यह मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। आरबीआई की एमपीसी में छह सदस्य होते हैं। इसमें बाहरी और आरबीआई अधिकारी दोनों होते हैं। गवर्नर दास के साथ, आरबीआई के अधिकारी राजीव रंजन, कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, और माइकल देबब्रत पात्रा, डिप्टी गवर्नर के रूप में कार्यरत हैं। जबकि शशांक भिड़े, आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा बाहरी सदस्य हैं।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने तीन और फैसले लिए

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की कमेटी ने लगातार 5वीं बार ब्याज दरों बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा है। आरबीआई ने भारत में फाइनेंशियल सेक्टर के लिए डेटा सिक्योरिटी और प्राइवेसी बढ़ाने के लिए क्लाउड फैसिलिटी स्थापित करने पर काम कर रहा है।आरबीआई ने लोन प्रोडक्ट के वेब एग्रीगेशन के लिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने और एक फिनटेक डिपॉजिटरी स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे डिजिटल लोन देने में अधिक पारदर्शिता आएगी।

अब यूपीआई से पांच लाख तक कर सकेंगे भुगतान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए यूपीआई भुगतान सीमा को मौजूदा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने की घोषणा की। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसम्बर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की विभिन्न श्रेणियों की सीमा की समय-समय पर समीक्षा की गई है।

उन्होंने कहा कि अब अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को भुगतान के लिए यूपीआई लेनदेन की सीमा को एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए प्रति लेनदेन करने का प्रस्ताव किया गया है। बढ़ी हुई सीमा से उपभोक्ताओं को शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल उद्देश्यों के लिए उच्च राशि का यूपीआई भुगतान करने में मदद करेगी। उन्होंने आगे कहा कि आवर्ती प्रकृति के भुगतान करने के लिए ई-मैंडेट ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। ई-मैंडेट फ्रेमवर्क के तहत 15,000 रुपए से अधिक के आवर्ती लेनदेन के लिए ऑथेंटिकेशन (एएफए) का एक अतिरिक्त फैक्टर जरूरी है। गवर्नर ने कहा कि म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन, इंश्योरेंस प्रीमियम सब्सक्रिप्शन और क्रेडिट कार्ड रीपेमेंट के आवर्ती भुगतान के लिए अब इस सीमा को बढ़ाकर एक लाख रुपए प्रति लेनदेन करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस कदम से ई-मैंडेट के उपयोग में और तेजी आएगी।

चंबल के नेता ने कुशल रणनीति से बुंदेलखंड में किया कमाल

चौ. मुकेश चतुर्वेदी की दिन रात की मेहनत का नतीजा, सागर संभाग की 26 सीटों में से 21 पर खिला कमल, मोदी मैजिक को दिया श्रेय

टीकमगढ़, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सागर संभाग प्रभारी चौ. मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने पोलिंग बूथ तक की इकाई को लगातार प्रवास और अथक परिश्रम से मजबूत करते हुए भारतीय जनता पार्टी को अपने प्रभार वाले सागर संभाग की 26 में से 21 सीटों पर ऐतिहासिक विजयश्री दिलाकर इतिहास रचा है। दरअसल, सागर में भाजपा को मिली यह सफलता सिर्फ एक दिन अथवा एक सप्ताह के प्रयास की परिणति नहीं है, बल्कि यह तभी संभव हुआ जब संभाग प्रभारी दिन-रात और सर्दी-गर्मी की चिंता किए बगैर पूरे चुनाव अभियान के दौरान उक्त संभाग में ही डेरा डाले रहे। उन्होंने सागर संभाग की सभी 26 सीटों का सघन दौरा किया। प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता को साथ लिया। अक्सर हरेक चुनाव में ऐसा होता है कि एक ही सीट पर टिकट के इच्छुक कई कार्यकर्ता होते हैं, लेकिन टिकट एक को ही मिलता है, ऐसी स्थिति में चुनाव अभियान की शुरुआत में ही टिकट से वंचित दावेदारों के बीच नाराजगी के स्वर ध्वनित होते हैं। कार्यकर्ता बताते हैं कि चौ. मुकेश सिंह ने यहां आते ही

ऐसे कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर उन्हें पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में काम करने के लिए प्रेरित किया। प्रत्याशियों को प्रचार सामग्री से लेकर अन्य सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धताए निरंतरता व नियमितता पर फोकस बनाए रखा। चौ. मुकेश सिंह स्थानीय प्रत्याशी और पार्टी की प्रदेश चुनाव कमान के बीच सेतु का काम करते रहे। उन्होंने पार्टी की चुनावी सभाओं, रैलियों, रोडशो एवं कार्यकर्ता बैठकों की नियमित मॉनीटरिंग तो बनाए ही रखी। इसके अलावा वे प्रत्याशियों से प्रतिदिन चर्चा कर उनके क्षेत्र में पार्टी की अपडेट स्थिति का भी आंकलन करते रहे। जनता से मिलने वाले फ ीडबैक पर भी उनकी सतत निगाह रही और उसी के अनुरूप चुनाव अभियान में रणनीतिक परिवर्तन भी करते रहे। यही वजह रही कि सागर संभाग में भाजपा के चुनाव अभियान की दशा और दिशा अपने निर्धारित टारगेट से विचलित नहीं हुई और उनके इन प्रयासों को विराम तभी हुआए जब पार्टी ने अविस्मरणीय विजयश्री का लक्ष्यसंधान पूर्ण कर लिया। चौ. मुकेश सिंह चतुर्वेदी अपनी इस सांगठनिक सफल रणनीति एवं जमीन पर साकार हुई चुनावी सफलता को विनम्र भाव से मोदी की गारंटी पर जनता के विश्वास की मुहर के रूप में निरूपित करते हैं। वे यह भी कहते हैं कि सागर संभाग में चुनाव परिणाम ने बता दिया हैं कि देश की जनता का भरोसा सिर्फऔर सिर्फअपने प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर है। उनके मुताबिक प्रदेश संगठन का बूथ और पन्ना स्तरीय प्रबंधन, प्रदेश सरकारी की महिला एवं गरीब कल्याण की योजनाएँ इस प्रचंड बहुमत के शिल्पकार हैं। चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी अपने प्रभार संभाग सागर की कुल 26 सीटों में से 21 सीटों पर भाजपा के परचम लहराए जाने को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि मानने के बजाए इस प्रचंड विजय को भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल मानते हैं। उन्होंने सागर संभाग के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं प्रत्याशियों को इस ऐतिहासिक विजय की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। चौ. मुकेश सिंह भाजपा पर अपना विश्वास जताने के लिए संभाग सागर की देवतुल्य जनता का हार्दिक आभार व्यक्त करना भी नहीं भूले। उन्होंने कहा कि यदि जन आशीर्वाद साथ नहीं होता तो इतनी बड़ी चुनावी कामयाबी नहीं मिलती। सागर प्रभारी मुकेश चौधरी इस बात पर बेहद खुश हैं कि टीकमगढ़ सहित संभाग के अन्य सभी जिलों में भी कमल खिला है।

बूथों पर आज से पिलाई जाएगी बच्चों को दो बूंद जिंदगी की

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा ने टीकमगढ़ जिले के समस्त 0-5 वर्ष के बच्चों के माता-पिता एवं परिवारजनों से रविवार 10 दिसम्बर को आयोजित पल्स पोलियो अभियान में अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की 2 बूंद दवा पिलवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभियान अंतर्गत प्रथम दिवस 10 दिसम्बर को बूथ पर, 11 दिसम्बर को द्वितीय दिवस एवं 12 दिसम्बर 2023 को तृतीय दिवस घर-घर भ्रमण कर 0-5 वर्ष के समस्त बच्चों को दो बूँद पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि पोलियो अभियान के क्रियान्वयन के लिए आमजनों का सहयोग अति आवश्यक है। इसी मंशा को प्रतिपादित करते हुए जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन जिले में किया जा रहा है। वहीं पांच वर्ष आयु तक के बच्चों के अभिभावकों से आग्रह किया गया है, अपने बच्चे की सुरक्षा में चूक ना होने दें और पोलियोरोधी खुराक पिलाएं। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि पोलियों की खुराक बूथ पर पहुंचकर पिलायें ताकि जिला पोलियो विमुक्त हो सके। उल्लेखनीय है कि शासन स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री शर्मा के कुशल निर्देशन तथा सीएमएचओ डॉ. शोभाराम रोशन के मार्गदर्शन में 10 से 12 दिसम्बर 2023 तक पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत प्रथम दिवस 10 दिसम्बर को बूथ पर, 11 दिसम्बर को द्वितीय दिवस एवं 12 दिसम्बर 2023 को तृतीय दिवस घर-घर भ्रमण कर 0-5 वर्ष के समस्त बच्चों को दो बूँद पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत जिला टीकमगढ़ में 163776 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे प्राप्त करने हेतु कुल 1115 बी टीम, 62 सी टीम,1177 बीसी टीम, 10 मोबाईल टीम, 49 ट्रांजिट टीम का गठन किया गया है। अभियान में पोलियो की दवा पिलाने हेतु कुल 2441 कर्मचारियों को लगाया गया है एवं अभियान के पर्यवेक्षण के लिए कुल 133 सुपरवाईजरों को लगाया गया है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया लोक अदालत का शुभारंभ

टीकमगढ़, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय सहित जिला निवाड़ी, तहसील जतारा एवं ओरछा न्यायालय में आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान अनेक मामलों का निबटरा किया गया। बताया गया है कि जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हितेन्द्र सिंह सिसौदिया के मुख्य आतिथ्य में नेशनल लोक अदालत का सुभारंभ मां सरस्वती एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। लोक अदालत के शुभारंभ में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सुभाष कुमार सोलंकी, विशेष न्यायाधीश श्रीमती गीता सोलंकी सहित सभी न्यायाधीशगण साथ ही अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ सुनील शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनोद कुमार पाटीदार जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, अभियोजन अधिकारीगण, लीड बैंक अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, एलएडीसीएस के पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में राजीनामा योग्य प्रकरण एवं बैंक, नगर पालिका के प्रीलिटीगेशन प्रकरण का निराकरण सहित अन्य प्रकरणों के निराकरण हेतु सम्पूर्ण जिले में कुल 27 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

दिगौड़ा व बम्होरी क्षेत्र में चोरी के अधिकांश मामलों का पुलिस ने नहीं किया खुलासा, क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

चोरों ने बनाया प्राचार्य के मकान को निशाना, लाखों नगदी सहित सोने -चांदी के जेवरात चोरी, पुलिस जांच में जुटी

दिगौड़ा,देशबन्धु। इन दिनों यूं तो संपूर्ण जिले में चोरों ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। चोरी की बढ़ती घटनाओं के बाद भी प्रशासन इस दिशा में कदम उठाने से परहेज करता नजर आ रहा है। चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने और अब तक हुई चोरी की वारदातों का खुलासा करने की मांग स्थानीय लोगों द्वारा की जा रही है। यहां हाल ही में हुई जेवरात एवं नगदी चोरी की वारदातों को लेकर सनसनी फैली हुई है। बताया गया है कि दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बम्होरी खास में बीती रात को अज्ञात चोरों ने हाइवे सड़क किनारे बने प्रभारी प्राचार्य के मकान को निशाना बनाया है। मकान से लाखों रुपए सहित सोने चांदी के जेवरातों को चोरी किया गया है। सूचना पर थाना प्रभारी अनुमेहा गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित प्रभारी प्राचार्य सकेरा भड़ारन फूलचन्द्र अहिरवार निवासी

रविदास मुहल्ला बम्होरी खास ने जानकारी देते हुए बताया है कि बीती शुक्रवार की रात को अज्ञात चोरों ने पीछे से मकान में आकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस चोरी की घटना में कमरे में अलमारी व बक्से में रखे करीब 3.50 लाख रुपए व सोने से बने ढाई तोला का हार, झुमकी 10 ग्राम, 2 अंगूठी, 2 जोड़ी टॉक्स कान के, 3 जोड़ी चांदी की पायलों सहित अन्य जेवरात को चोर चोरी करके ले गए। सुबह पीड़ित व उनके परिजनों को इस घटना की जानकारी लगी। घटना की सूचना पर गांव के मुहल्ले के कई लोग मौके पर पहुंच गए। पीड़ित ने घटना की सूचना दिगौड़ा पुलिस को दी। थाना प्रभारी अनुमेहा गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की गई। लोगों ने बताया है कि इस क्षेत्र में कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन आज तक अधिकतर चोरी के मामले में पुलिस ने खुलासा नहीं किया गया है। पिछले दिनों ग्राम बम्होरी के श्रीराम जानकी मंदिर से मूर्तियों की चोरी हो गई थी, जिसका आज तक खुलासा नहीं किया गया। आज अज्ञात चोरों ने फिर से ग्राम बम्होरी में एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

जब हम अपनी क्षमताएं समझ जाते हैं तो कोई भी काम करना मुश्किल नहीं : तेलंग

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की आनंदम टीम ने शासकीय माध्यमिक शाला गोपाल मंदिर में विद्यालय स्टाफ एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। डीपीएल टीकमगढ़ नितिन कुमार बबेले ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस के अवसर पर आनंद विभाग की स्थापना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वैच्छिक सेवा के लाभ के बारे में बताया गया कि स्वैच्छिक सेवा के द्वारा हम दूसरे व्यक्तियों को लाभ पहुंचाते हैं एवं स्वयं भी लाभांवित होते हैं। यह हमें नए लोगों से जोड़ती है। हमारे अवसाद और तनाव को दूर करती है। हमारे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य में संतुलन लाती है। स्वैच्छिक सेवा से हम जीवन कौशल को सीखते हैं। स्वैच्छिक सेवा से हम अपने जीवन के उद्देश्य को जान पाते हैं और इससे हम आंतरिक आनंद और आत्म तृप्ति भी प्राप्त करते हैं। छात्र-छात्राओं को ताली बजाने की एक्टिविटी कराई गई तथा उन्हें जानकारी दी गई, कि वे 30 सेकंड में कितनी ताली बजा सकते हैं। कुछ छात्रों ने कहा कि हम 30 बजा सकते हैं, 40 बजा सकते हैं या 50 बजा सकते

हैं, लेकिन जब उन्होंने बजाना शुरू किया तो 30 सेकंड में 130 से 140 तालियां छात्र-छात्राओं ने बजाई और इस गतिविधि से बच्चे जान पाए कि हम जीवन में कोई भी काम करने से पहले डरते हैं। हमारे अंदर बहुत सारी क्षमताएं छुपी हुई हैं। जब हम अपने अंदर छुपी हुई क्षमताओं को पहचान पाते हैं, तो जीवन में हम कोई भी महान काम बहुत ही सहजता से कर सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी घनश्याम देव तेलंग द्वारा बच्चों को जहां एक दूसरे की मदद के लिए आगे आने एवं मदद से हमें कैसे खुशी प्राप्त होती है, उसके बारे में बताया गया और छोटी-छोटी मदद से दूसरों की हम कैसे सहायता कर सकते हैं। उनके द्वारा बच्चों को छोटी-छोटी मदद जैसे एंबुलेंस का नंबर रखना या फर्स्ट एड बॉक्स एवं पुलिस का नंबर इन छोटी-छोटी चीजों से बहुत बड़ी मदद कर सकते हैं। उससे जो मुझे खुशी एवं सामने वाले को खुशी होती है उसका आनंद कुछ अलग ही होता है। तेलंग द्वारा छात्रों के बीच में स्वैच्छिक सेवा दिवस के महत्व को समझने के लिए एक लघु नाटिका आदमी प्रस्तुत की गई, जिसमें बताया गया की जब तक हमारे अंदर मानवीयता नहीं होगी हम सच्चे अर्थों में सेवा नहीं कर सकते। कार्यक्रम का संचालन आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर रविंद्र यादव द्वारा किया गया एवं संस्थान द्वारा एक से 8 तक कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

शॉट सर्किट होने से कमरे में लगी, जलकर राख हुआ अलमारी में रखा सामान

दिगौड़ा, देशबन्धु। दिगौड़ा कस्बा के घुसयाना मुहल्ले में शुक्रवार की देर शाम को टीवी देखते समय अचानक शॉट सर्किट होने से कमरे में आग लग। इस घटना में कमरे में रखा हुआ सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने परिजनों व मुहल्ले के लोगों के साथ मिलकर आग को बुझाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर आगजनी कायम की है। फरियादी मुकेश राय पिता जुगल किशोर राय उम्र 47 साल निवासी घुसयाना मौहल्ला दिगौड़ा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट की गई, जिसके अनुसार फरियादी मुकेश कुमार सेना में सूबेदार 192 फील्ड रेडीमेंट में पदस्थ है। वह एक माह के अवकाश पर अपने घर आया हुआ था। शुक्रवार की देर शाम करीब 7 बजे फरियादी परिजनों के साथ घर मे टीवी देख रहा था, उसी समय अचानक बिजली का शॉट सर्किट होने के कारण आग लग गई। इस घटना में गोदरेज अलमारी में रखे फरियादी के नगद रुपए, सेना का पहचान कार्ड, कपड़े सहित अन्य सामान जल गया।

ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया में पंचायत निर्वाचन दिवस का अवकाश

टीकमगढ़, देशबन्धु। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया के मतदान केन्द्र क्रमांक 145 में सरपंच पद के पुर्न मतदान हेतु पंचायत निर्वाचन दिवस का अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया के मतदान केन्द्र क्रमांक-145 (शासकीय प्राथमिक पाठशाला) में पंचायत निर्वाचन दिवस का अवकाष 11 दिसम्बर 2023 को घोषित किया गया है।

ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया में सरपंच पद के पुर्न मतदान हेतु शुष्क दिवस घोषित

टीकमगढ़, देशबन्धु। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया के मतदान केन्द्र क्रमांक 145 में सरपंच पद के पुर्न मतदान हेतु शुष्क दिवस घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया में 11 दिसम्बर 2023 को मतदान कार्यक्रम अनुसार प्रस्तावित है। उपरोक्तानुसार संपूर्ण ग्राम पंचायत क्षेत्र में शुष्क दिवस (शराब बिक्रय बंदी) घोषित किये जाने हेतु जिला आवकारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया के मतदान केन्द्र क्रमांक 145 में पुर्न मतदान 11 दिसम्बर को

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बम्हौरी मड़िया मतदान केन्द्र क्रमांक 145 शासकीय प्राथमिक शाला बम्होरी मड़िया में सरपंच पद के सम्पन्न मतदान एक जुलाई 2022 को शून्य घोषित करते हुए मतदान केन्द्र क्रमांक 145 शासकीय प्राथमिक शाला बम्हौरी मड़िया जनपद पंचायत टीकमगढ़ के पुर्नमतदान कराये जाने हेतु कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। तदानुसार मतदान की तिथि 11 दिसम्बर सोमवार एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा

रख दे बाबा सिर पर, अपने ये दोनों हाथ....

खाटू श्याम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया, हुए भजन कीर्तन

टीकमगढ़, देशबन्धु। खाटू भक्तों ने यहां एक निजी गार्डन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्याम बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस दौरान बाबा का मनोहार श्रृंगार किया गया और पूजा-अर्चना की गई। भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद लिया। देर रात तक बाबा के भजनों पर युवाओं की टोलिया थिरकती रहीं। खाटू श्याम की महिमा का वर्णन करने के साथ ही कलाकारों ने भक्ति संगीत के माध्यम से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। रख दे बाबा सिर पर अपने ये दोनों हाथ, कीर्तन की है रात..., सहित अनेक भजनों के द्वारा कलाकारों ने श्रोताओं को बांधे रखा। शीश के दानी कहो या हारे का सहारा...। महाराजा बर्बरीक कहो या फिर कहो खाटू श्याम...। इन नामों की महिमा अपार है। जिसकी कोई नहीं सुनता, उसकी श्याम सुनता है। खाटू श्याम का दरवार ऐसा दरवार है, जहां अच्छे-अच्छे असरदार शीश झुकाते हैं। खाटू श्याम के दरवार में जरूरतमंदों की पुकार सुनी जाती है। यहां शहर में भी खाटू श्याम के भक्तों की भीड़ उमड़ने वाली है। अवसर है हारे के सहारा खाटू वाले श्याम के जन्मोत्सव का। बताया गया है कि उनका जन्म दिन 8 दिसम्बर 2023 दिन शुक्रवार को श्री खाटू श्याम का जन्म दिन धूमधाम से मनाया गया। उनके

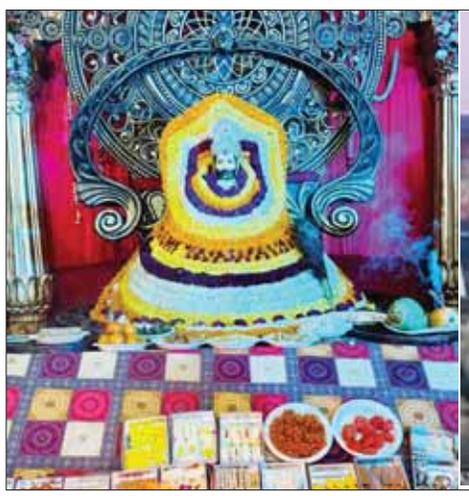

जन्मदिन पर यहां संकीर्तन, भजन संध्या का आयोजन झांसी रोड स्थित निजी गार्डन में शाम छ बजे से किया गया। बताया गया है कि भजन संध्या के दौरान यहां बाहर से आए कलाकारों द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई। इन कलाकारों में ललितपुर से पधारे आरके झा, शिवानी झा, गुना से प्रदीप चंदेल के नाम शामिल रहे। उनके द्वारा यहां गार्डन में संकीर्तन व दिव्य भजनों की प्रस्तुति दी गई। यहां जानकारी के लिए बता दें कि खाटू श्याम ने भगवान कृष्ण को अपने शीश का दान किया था। इस परीक्षा के दौरान भगवान ने अपने दर्शन देने के साथ ही अपना नाम दिया और कहा था कि आज से तुम्हें खाटू के श्याम के नाम से जाना जाएगा। भगवान खाटू श्याम को नीला रंग बहुत ही प्रिय है, उनके घोड़े का भी रंग नीला था। श्याम के दरवार से कोई भी खाली हाथ नहीं जाता है। उनके जन्मोत्सव में नीले वस्त्र पहनकर जाना शुभ माना जाता है। जो भी भक्त बाबा के दरवार में नाच लेता है, उसे फिर यह दुनिया नहीं नचा पाती है। इस दौरान कलाकारों ने यहां भी खाटू श्याम भक्त मंडल के गठन की जरूरत महसूश की। इस संबन्ध में आयोजक मंडलसे पहल करने की बात कही।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नोहटा में हुआ कार्यक्रम

जनप्रतिनिधि और अधिकारी गांव में जाकर जरूरतमंद ढूंढेंगे: पटेल

दमोह देशबन्धु। खुशी की बात यह है कि आज का दिन दमोह जिले में मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी का पहला दिन है और जिले में इस बात के लिए चयन नोहटा का किया गया है, मैं नोहटा वासियों को बधाई देता हूं। अगला जो चरण होगा एक ब्लॉक में दिन में दो कार्यक्रम होने हैं, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा प्रयास है कि यदि कोई जरूरतमंद छूट गया हो तो उसे ढूंढने के लिए मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी निकली है। इस आशय के विचार पूर्व केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्राम नोहटा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

इस अवसर पर नव निर्वाचित विधायक जबेरा धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पूर्व विधायक हटा पीएल तंतुवाय, कलेक्टर मयंक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा विशेष रूप से मौजूद थे।

पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने कहा आज दमोह में पहला कार्यक्रम है मैं आप सभी को बधाई देता हूं, आप सभी का स्वागत है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति का हृदय से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा जो भी पत्रकार बंधु प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान किया है उन सभी के लिए हृदय से धन्यवाद करता हूं और सभी को बधाई देता हूं। एक समय जरूरतमंद व्यक्ति, अधिकारी और नेताओं के पास

जाकर कहता था कि यह लाभ मुझे मिलना चाहिए। आज हमारे जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी दोनों मिलकर गांव में जाकर जरूरतमंद को यदि कोई रह गया है, तो उसे ढूंढेंगे, मैं दावे के साथ कहता हूं की आने वाले 5 सालों में मोदी जी के नेतृत्व में देश में कोई जरूरतमंद नहीं बचेगा और हम तब गारंटी दे पाएंगे कि हमारे बच्चों की जिंदगी हमसे बेहतर होगी।

पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने दिलाई शपथ: भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे। गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे। देश की संमृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे। भारत की एकता को सुदृढ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे। हम नागरिक होने का कर्तव्य निभायेंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल का जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर मयंक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर नरेन्द्र बाजाज, गोपाल पटेल, पं.सतीश तिवारी, रामेश्वर चौधरी, अनुपम सोनी, रूपेश सेन, भाव सिंह लोधी, विक्की गुप्ता, प्रीतम चौकसे, भरत यादव, इं.अमर सिंह राजपूत, रामकली तंतुवाय, अनीता खरे, नर्मदा सिंह राजपूत, उजमा नाज, सरपंच सोनम यादव, कमल राजू ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में महिलायें मौजूद थीं।

गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

पन्ना, देशबन्धु। जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के मीडिया प्रभारी सहा.जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार घटना संक्षेप मे इस प्रकार है, कि आरक्षक अशोक रावत थाना मंडला 19 नवम्बर 2019 को 100 डॉयल बाहन में डियूटीरत था। दौरान डियूटी उसे ग्राम हरषा में गोली चलने का इवेन्ट प्राप्त हुआ था। जिस पर उसने थाना प्रभारी मड़ला को इवेन्ट की सूचना से अवगत कराकर वह 100 डॉयल वाहन से ग्राम हरषा रवाना हुआ एवं घायल व्यक्ति को लाकर जिला चिकित्सालय पन्ना में भर्ती कराया गया। जिला चिकित्सालय पन्ना में थाना प्रभारी मड़ला को 18 नवम्बर 2019 को 24:00 बजे घायल व्यक्ति रामखिलावन गोंड़ पिता जीवन गोड़ उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम हरषा ने इस आशय की रिपोर्ट लेख कराई कि वह आज शाम 07.30 बजे अपनी भैस को देखने व निस्तार करने गया था कि तलैया तरफ से लौटकर आम के पेड़ के पास आया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पेड़ की आड़ लेकर गोली मार दीए जो उसकी कमर में दाहिने तरफ लगी, जिससे वह गिर गया। वह चिल्लाया और फोन करके अपनी पत्नी को बताया। जिस पर पत्नी, बेटी तथा गांव के अन्य लोग आ गए और उसे उठाकर घर लाए। तीन दिन पहले उसका गांव के फौजी विश्वकर्मा निवासी भापतपुर से रूपए के लेनदेन पर से विवाद हुआ था, उसे संदेह है कि विवाद की बुराई के कारण फौजी विश्वकर्मा ने उसे जान से मारने की नीयत से छिपकर गोली मारी है। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना प्रभारी मड़ला द्वारा देहाती नालसी लेख की गई, जिसके आधार पर थाना मड़ला में अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान यह पाया गया कि वक्त घटना धीरेन्द्र सिंह, अपने भाई भूपेन्द्र सिंह एवं राव साहब के साथ देशी भस्तल बंदूक लेकर जंगल तरफजा रहा था, जैसे ही वे फरियादी के घर के सामने पहुंचे, जहां फरियादी रामखिलावन गोंड़ दरवाजे पर खड़ा मिला। जिस पर धीरेन्द्र सिंह ने रामखिलावन से पीने के लिए दो बोतल दारू की मांग की, फरियादी द्वारा दारू लाने से मना करने पर वाद-विवाद होने से आरोपी धीरेन्द्र सिंह ने अपनी देशी भरतल बंदूक से रामखिलावन गौड़ को जान से मारने की नीयत से फायर किया, गोली फरियादी के कमर में दाहिनी तरफलगी। तदोपरांत तीनों आरोपीगण ने फरियादी व उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी तथा झूठा बयान देने हेतु मजबूर किया। इस आधार पर आरोपीगण धीरेन्द्र सिंह भूपेन्द्र सिंह एवं राय साहब के विरुद्ध धारा 307, 506, 201, 34 भादंस तथा धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट के अधीन अपराध घटित होना सिद्ध पाते हुए संदेही आरोपी फौजी उर्फहरीलाल पिता बिहारीलाल विश्वकर्मा निवासी खजुराहो की तस्दीक की गई तो उक्त संदेही व्यक्ति वक्त घटना कस्बा खजुराहो में होना पाया गया। मामले की विवेचना के दौरान साक्षीगण के कथन लेख किए गए। घटनास्थल का नक्शा मौका बनाया गया।

संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय आरपी सोनकर, विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट पन्ना, जिला पन्ना के न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करते हुए जीतेन्द्र सिंह बैस, विशेष लोक अभियोजक द्वारा अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराया, न्यायालय के समक्ष आरोपी धीरेन्द्र सिंह धंधेरे को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम श्रेणी का होने के कारण कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी धीरेन्द्र सिंह धंधेरे, निवासी ग्राम हरसा, थाना मड़ला, जिला पन्ना को धारा 25(1-बी)(ए), धारा 27(1) आयुध अधिनियम में 01-01 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000-1000 रूपए के अर्थदंड एवं धारा 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में आजीवन कारावास एवं 5000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

जिला अस्पताल परिसर में आश्रय स्थल प्रारंभ, सीएमओ ने निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गए निर्देश अनुसार समस्त आश्रय स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों में ठंड से बचाव के लिये अलाव की व्यवस्था की गई। इस सम्बंध में सीएमओ ने बताया आश्रय स्थल में नहाने के लिए गर्म पानी, ओढ़ने के लिए रजाई एवं कबंल उपलब्ध कराई गई। इसी के तहत मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुषमा धाकड़ द्वारा शहर के दो आश्रय स्थल बस स्टैंड एवं जिला अस्पताल में बने आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। मूलभूत सुविधाओं के इंतेजामात करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। इस अवसर पर प्रभारी आश्रय स्थल अरशद खान, रानी सेन मौजूद रहीं।

सोनिया गांधी का 77वां जन्मदिवस मनाया

दमोह देशबन्धु। जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का जिला कांग्रेस कार्यालय में 77वां जन्मदिवस केक काटकर मनाया गया। उक्त अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा कि वह अदम्य साहसी महिला यूपीए चेयर पर्सन होते हुए एवं कांग्रेस का बहुमत होते हुए भी उन्होंने प्रधानमंत्री पद का त्याग कर दिया था। शहर कांग्रेस अध्यक्ष कोमल अहिरवार ने कहा कि जब उनके पति राजीव जी देशहित में शहीद हुए तो उन्होंने राजनीति से किनारा कर लिया था। किन्तु देशवासियों में सक्रिय हुई। हमें फर्क है कि आज वह हम सभी की सम्मनीय नेता है। इस अवसर पर सतीश जैन, कमलेश उपाध्याय, आशीष पटेल, प्रफुल्ल श्रीवास्वत, भूपेन्द्र सिंह, अरूण मिश्रा, मिक्की चंदेल, पप्पू कसोटया, अजय जाटव, राकेश राय सहित अनेक कांग्रेसजनों की उपस्थिति रही।

यात्री बस ने मारी टक्कर, महिला घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

पन्ना, देशबन्धु। पन्ना नगर के बाईपास रोड में स्थित परिवहन अधिकारी कार्यालय के सामने एक बेलगाम यात्री बस की टक्कर से सिर पर टोकरी लेकर सब्जी बेचने जा रही महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है जिसे बेहोशी की हालत में परिजनों के द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय पन्ना में भर्ती कराया गया है। जहां महिला की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। घटना के संबंध में घायल महिला के पुत्र अशोक प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि उसकी मां कुंता बाई प्रजापति उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी धाम मोहल्ला पन्ना रोज की भांति सुबह सब्जी बेचने निकली थी जो

बीडी कॉलोनी में सब्जी बेचने के बाद परिवहन अधिकारी कार्यालय की तरफ से पुराना पन्ना की ओर जा रही थी तभी एक बेलगाम यात्री बने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह घायल होकर बेहोश हो गई यात्री बस का चालक बस को मौके पर छोड़कर भाग खड़ा हुआ स्थानीय लोगों की सूचना पर परिजनों के द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को जिला चिकित्सालय पन्ना में भर्ती कराया गया है जहां इलाज जारी है।

जिला चिकित्सालय में डायलिसिस के मरीजों के लिए सुविधा

दमोह देशबन्धु। जिला अस्पताल दमोह में विगत दो वर्षो से संचालित हो रही डायलिसिस की सुविधा को अब मरीजों के अनुकूल बनाने का प्रयास किया गया है। डायलिसिस की आवश्यकता क्यों होती है रीनल फेल्यर ऐसी बीमारी है जिसमे मरीज की किडनी काम नहीं कर रही होती हैं, उनके शरीर मे क्रिएटिनिन (जो कि एक व्यर्थ पदार्थ है एवं चयापचय की प्रक्रिया में शरीर मे ही बनता है) इसका लेवल खतरनाक स्तर तक बढ़ता जाता है। जिससे मरीज का शरीर शिथिल पड़ता जाता है, धीरे-धीरे मरीज के शरीर के अन्य अंग भी प्रभावित होने शुरू हो जाते है।

कमजोरी इतनी आती जाती है कि मरीज अपने दैनिक कामो के अलावा अन्य कार्य बड़ी मुश्किल से ही कर पाता है। ऐसे मरीज को डायलिसिस के माध्यम से खून के सफाई हेतु सप्ताह में या पंद्रह दिन में जीवन रक्षक डायलिसिस की आवश्यकता होती है। डायलिसिस मशीने व्यक्ति के शरीर मे जमा क्रिएटिनिन को छान कर अलग देती है। जिला चिकित्सलय में डायलिसिस हेतु वर्तमान में 6 मशीने है। जो सुबह से देर शाम तक लगातार उपयोग में रहती हैं। प्रतिदिन 12-16 डायलिसिस के मरीजों को इसका लाभ मिल रहा है, प्रति माह लगभग 300 डायलिसिस इस यूनिट द्वारा की जा रही है। डायलिसिस यूनिट प्रभारी डॉ. विशाल शुक्ला ने बताया कि पहले मरीजों को डायलिसिस यूनिट तक पहुँचने हेतु अस्पताल के मुख्य द्वार से प्रवेश लेकर अथवा आई.सी.यु. के मुख्य द्वार से प्रवेश लेकर या तो पैदल चलकर या फिर व्हील चेयर के सहारे डायलिसिस यूनिट तक पहुँचने में थोड़ा असुविधा होती थी। ऐसे में हमने डायलिसिस यूनिट से ही सीधा बाहर दरवाजा बनाने का विचार किया, जो कि अस्पताल परिसर में ही खुलता है। अब मरीज सीधा अपने ही वाहन से डायलिसिस यूनिट तक पहुँच जाता है। डायलिसिस यूनिट प्रभारी डॉ. शुक्ला ने बताया हेपेटाइटिस बी एंव हेपेटाइटिस सी के पॉजिटिव के डायलिसिस हेतु भी फिलहाल मशीन आरक्षित की गई है एवं उनके लिये अलग स्थान/आइसोलेशन बनाया गया है। जो कि वैज्ञानिक तरीके से सही भी है। उन्होंने कहा है मरीजों की सेवा और उस सेवा तक आसान पहुँच कराना ही हमारा मन्तव्य है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में 5 नि-क्षय मित्र बनाए गए

दमोह देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी की उपस्थिति में ब्लॉक. जबेरा, जिला. दमोह के नोहटा सामुदायिक भवन में आयोजित हुआ। दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य हेल्थ कैंप के माध्यम से 224 मरीज की जांच, परामर्श एवं दवा वितरण किया गया। जिसमें टीबी के शंकालु 18 मरीज के सैंपल कलेक्शन हेतु फाल्कन ट्यूब दी गई, 06 हितग्राहियों की आभा आईडी एवं 25 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए. मुख्य रूप से ब्लॉक जबेरा के डॉक्टर शेर सिंह मौर्य एवं डॉ. गीता वर्मा आरबीएसके के द्वारा सिकलसेल, डायबिटीज़ एवं उच्च रक्तचाप वाले मरीजों को परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध करायी गई. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सरोजिनी जेम्स बैक, डीटीओ डॉक्टर गौरव जैन, डीपीसी दीपक सिंह राजपूत, एसटीएलएस राजेश उपाध्याय के संयुक्त प्रयास से 05 नि-क्षय मित्र क्रमश: श्री मनोज राय, श्री भूपेश गंधर्व, सत्येंद्र सिंह, कमलेश साहू एवं नितिन राय बने. जिन्होंने 6 गरीब टीबी मरीजों को फूड बॉस्केट जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वितरित की. स्वास्थ कैंप में बीपीएम मुकेश डाबर, फार्मासिस्ट श्री रमाकांत ऊमरे, डाटा एंट्री ऑपरेटर राहुल राय, जबेरा एसटीएस प्रभारी हाकम सिंह लोधी, पीपीएसए उमेश रजक, देवेंद्र अहिरवार, ममता फाउंडेशन से नरेश कुमार लोधी एवम् उत्कृष्ट शिक्षा एवं स्वास्थ्य महिला समिति के नि-क्षय मित्र उपस्थित रहे।

लोक अदालत के माध्यम से शीघ्र न्याय दिलाने का किया जाता है प्रयास : विशेष न्यायाधीश

साल की आखिरी लोक अदालत हुई आयोजित

दमोह देशबन्धु। इस साल की आखिरी नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया । इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश शरतचंद सक्सेना, जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अंबुज पाण्डेय, कलेक्टर मयंक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी सहित शासकीय अभिभाषक, अधिवक्तागण मौजूद थे। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश शरतचंद सक्सेना ने कहां लोक अदालत के माध्यम से शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास किया जाता हैं और विगत तीनों नेशनल लोक अदालत में हमारा दमोह जिला सर्वोत्तम स्थिति में रहा है, और शीर्ष स्थिति में रहा है। मुझे पूरा विश्वास है, इस बार भी हम लोग पहले से बेहतर करके अधिक प्रकरणों का निराकरण करेंगे। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अम्बुज पाण्डेय ने बताया आज साल की अंतिम लोक अदालत है और दमोह जिले में 17 खंडपीठ बनाई गई है। बिजली में और नगर पालिका में भी अच्छी छूट दी गई है और जिस तरह से दमोह हमेशा प्रथम आता रहा है, इस बार भी कोशिश रहेगी कि ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों के निराकरण हो जाए। इसकी सबसे बड़ी विशेषता होती है कि

इसमें ना कोई जीतता है और ना कोई हारता है, एक समझौता वाला मार्ग होता है जिससे लिटिगेशन कम हो और कोर्ट में कम दबाव हो, यही सबको शुभकामनाएं हैं सभी ज्यादा से ज्यादा इसमें सहभागिता निभाएं, अधिवक्ताओं से भी यही अपील है। अधिवक्ताओं का अच्छा सहयोग रहा है। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा इस साल की आखिरी लोक अदालत है, लोक अदालत में जो मामले अभी तक सॉल्व नहीं हुए हैं, उनको समझौते के माध्यम से सॉल्व किया जाता है और आज भी यही कोशिश रहेगी, जो ऐसे मामले हैं उनको समझौते के माध्यम से एक ही दिन में सॉल्व कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा दमोह का परफॉर्मेंस हमेशा अच्छा रहा है, साल के पहले जो लोक अदालत हुई थी उसमें भी बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा और इस बार भी यही कोशिश रहेगी की बाकी जिलों से अच्छा प्रदर्शन रहे।

पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने कहा लोक अदालत का कॉन्सेप्ट त्वरित न्याय दिलाने का है, जो की पूर्ण सफल रहा है। पूर्व में भी सभी के अथक प्रयासों और अथक परिश्रम से काफी सफल कार्यक्रम हुए हैं। मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूं इस बार भी हम इसमें बहुत अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

राजीनामा से 1025 प्रकरणों का हुआ निराकरण

पन्ना, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शनिवार को जिला न्यायालय पन्ना सहित पवई एवं अजयगढ़ तहसील न्यायालय में नेशनल लोक अदालत सफल आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष भावना साधौ ने दीप प्रज्जवलित कर जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुरेशचन्द्र पाल, जिला न्यायाधीश इन्द्रजीत रघुवंशी, महेन्द्र मांगोदिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र सिंह शाक्य, जेएमएफसी शिवराज सिंह गवली, मोहित बड़के, निधि शाक्यवार, श्वेता रघुवंशी, जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते और अभिभाषक संघ के अध्यक्ष जेके राव, लीगल एड डिफेंस काउन्सिल चीफआनंद त्रिपाठी, डिप्टी चीफकरण सिंह एवं असिस्टेंट विजयलक्ष्मी, रोहित नायक, शशांक चतुर्वेदी

और अभिभाषक संघ के सदस्य तथा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव राजेन्द्र कुमार पाटीदार ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के लिए जिला न्यायालय पन्ना में 8, तहसील न्यायालय पवई में 3 एवं अजयगढ़ न्यायालय में 1 खंडपीठ गठित की गई थी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की खंडपीठ में 23 प्रकरणों के निराकरण सहित 12 खंडपीठ में राजीनामा के जरिए कुल 348 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसके अलावा 677 प्री.लिटिगेशन प्रकरण भी निराकृत किए गए। इनमें विभिन्न बैंकों, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग, नगरीय निकायों के संपत्ति व जल कर और राजस्व विभाग के प्रकरण शामिल हैं। लंबित प्रकरणों में 2 करोड़ 23 लाख 89 हजार 521 रूपए की समझौता अवार्ड राशि पारित की गई, जबकि प्री.लिटिगेशन प्रकरण में 68 लाख 58 हजार 721 रूपए की समझौता अवार्ड राशि पारित करने की कार्यवाही की गई है। कुल 2 करोड़ 92 लाख 48 हजार 242 रूपए की समझौता अवार्ड राशि पारित की गई। नेशनल लोक अदालत के दौरान परिवार परामर्श केन्द्र के सात तथा कुटुम्ब न्यायालय के पांच प्रकरणों का निराकरण भी किया गया। पति-पत्नी के मध्य विवाद के एक प्रकरण में राजीनामा करवाया गया। इस पर दंपत्ति साथ रहने को राजी हो गए। खुशी के माहौल में दंपत्ति ने एक-दूसरे को माला पहनाई और हमेशा एक साथ रहने का संकल्प लिया। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा दंपत्ति के बच्चों और परिवार के सदस्यों का मुंह मीठा कराया गया। उन्होंने सुखमय जीवन व्यतीत करने का आशीर्वाद भी दिया।

लोक अदालतें प्रकरणों के निराकरण का सबसे सुलभ व सस्ता माध्यम

44 खण्डपीठों द्वारा 5763 प्रकरण निराकृत किए गए

दस करोड़ छः लाख तेहत्तर हजार चार सौ चबालीस रूपये का अवार्ड पारित किया गया

सागर, देशबन्धु। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सागर अरूण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय सागर एवं समस्त तहसील न्यायालयों में किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष अरूण कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ववलित कर किया गया। नेशनल लोक अदालत हेतु संपूर्ण जिले में कुल 44 खण्डपीठों का गठन किया गया, जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में से 825 प्रकरण एवं प्री.लिटिगेशन के 4938 प्रकरणों का निराकरण राजीनामा के आधार पर किया गया, जिसमें मोटर दुर्घटना के 50 प्रकरणों का निराकरण कर क्षतिपूर्ति राशि रूपये 15354000 के अवार्ड पारित किए गए, चौक बाउंस के 182 प्रकरणों का निराकरण में कुल राशि रूपये 4,73,41,629 का समझौता अवार्ड किया गया। आपराधिक प्रकृति के शमन योग्य 389 प्रकरण, विद्युत के 37 प्रकरण, पारिवारिक विवाद के 65 प्रकरण तथा दीवानी एवं अन्य प्रकृति के 54 प्रकरणों का निराकरण किया गया। विभिन्न बैंकों के 177 प्री.लिटिगेशन प्रकरण, विद्युत विभाग के 189 प्री.लिटिगेशन प्रकरण, नगर निगम के 474 प्री.लिटिगेशन प्रकरण, ई ट्रेफिक चालान के 2102 प्रीलिटिगेशन संबंधी प्रकरण एवं अन्य 538 प्री.लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण भी इस अवसर पर हुआ जिसमें राशि रूपये 2,87,32,807 का राजस्व प्राप्त हुआ।

नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरूण कुमार सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अतुल कुमार खण्डेलवाल, विशेष न्यायाधीश प्रदीप सोनी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनीष भट्ट, जिला स्थापना पर पदस्थ समस्त न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ अंकलेश्वर दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी योगेश बंसल, अधिवक्ता, बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, बैंक, विद्युत, नगर निगम एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की विचारधारा ही लूट पर टिकी हुई: यश अग्रवाल

भाजयुमो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी कांग्रेस का पुतला जलाया

सागर, देशबन्धु। भाजयुमो जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी कांग्रेस का पुतला जलाया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। शनिवार को शाम 4 बजे शहर के अंबेडकर चौराहे पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल की नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचारी कांग्रेस की रैली निकालते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस का पुतला भी जलाया गया। यश अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस ने 70 सालों में देश को लूटने का काम किया है। हाल में ही कांग्रेस से राज्यसभा सांसद धीरज साहू के घर जब छापा पड़ा तो बेनाम संपत्ति समेत 200 करोड़ से अधिक की नगद राशि उनके घर से बरामद हुई है। यह वही धीरज साहू है, जो पिछले दिनों राहुल गांधी के साथ हाथ से हाथ मिलाकर चल रहे थे। इनके पास इतनी संपत्ति कहां से आई, यह विचार का विषय है। कांग्रेस की विचारधारा ही लूट पर टिकी हुई है। पार्टी का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है, इसीलिए देश में जो कांग्रेस पार्टी के गिने-चुने सांसद हैं। वह जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने का काम कर रहे हैं। पुतला दहन के दौरान जगन्नाथ गोरैया, विक्रम सोनी, मनीष चौबे, नितिन सोनी, अंशुल हर्षे समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

टवेरा की टक्कर में युवक की मौत

सागर, देशबन्धु। देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम छवेला के पास तेज रफ्तार टवेरा वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं एक घायल हुआ है। घटनाक्रम में देवरी थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार बाबूलाल पिता गोरेलाल अहिरवार उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम जैतपुर कछया अपने साथी सौरभ अहिरवार के साथ बाइक पर सवार होकर गांव से देवरी जा रहा था। तभी नेशनल हाईवे.44 पर ग्राम छेवला के पास तेज रफ्तार टवेरा क्रमांक एमपी 15 बीए 1045 ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाबूलाल और सौरभ उछलकर सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को देवरी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में बाबूलाल की मौत हो गई। वहीं घायल सौरभ का इलाज चल रहा है। मामले में देवरी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया। मर्ग जांच करते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायल समेत अन्य साक्षियों के बयान लिए। जांच में मिलते साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टेवरा वाहन के चालक के खिलाफ धारा 279, 337, 304ए के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

आर्मी पब्लिक स्कूल तथा जैन गुरुकुल स्कूल के छात्रों को एनडीआरएफने दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

सागर, देशबन्धु। 11 वहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बाल वाराणसी से सागर जिले में स्थित विभिन्न इकाइयों का आपदा निरीक्षण करने के लिए सात दिवसीय इसके तहत टीम सागर जिले के विभिन्न तहसीलों में जाकर के तहसीलों में स्थित इकाइयों का निरीक्षण कर आपदा संबंधित उनकी तैयारी का निरीक्षण करना एवं उनके साथ मीटिंग करना ताकि भविष्य में होने वाले किसी प्रकार के आपदा से मिलजुल कर निपटा जा सके इसके साथ ही सभी तहसीलों में स्थित स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आपदा मोचन के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आपदा जोखिम नियुनिकरण मुहीम के अंतर्गत आपदाओं से बचाव एवं प्रबंधन हेतु विभिन्न संस्थानों और हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए एनडीआरएफ की टीमें लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रही है साथ ही शिक्षण संस्थानों में आपदा से बचाव हेतु स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम का भी आयोजन कर रही है। उसी कड़ी में शनिवार को आर्मी पब्लिक स्कूल तथा एसपी जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुरई पहुंचे 11 बटालियन एनडीआरफ वाराणसी के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा.निर्देशन में एवं इंस्पेक्टर जीडी बृजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एनडीआरएफ की प्रशिक्षित एवं अनुभवी टीम द्वारा भूकंप में बचाव के तरीके, सीपीआर, गले में फंसी बाहरी वस्तु के निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों का अस्पताल पूर्व उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, अग्निशमन और आग से बचाव की तकनीक, रस्सी बचाव तकनीक, अग्निशामक यंत्र का उपयोग, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस राफ्ट बनाना, सड़क सुरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के एनसीसी के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्कूल के अन्य कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और इससे लाभान्वित हुए। इस अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल से लेफ्टिनेंट कर्नल बालकृष्ण तथा एसपी जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रायंक जैन ने एनडीआरएफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनडीआरएफ द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम बहुत प्रशंसनीय और शिक्षाप्रद है और आपदा प्रबंधन में सक्षम बनाने का सफल प्रयास है। इस कार्यक्रम से शिक्षण संस्थान के सभी छात्र-छात्राएं, अध्यापक व स्कूल के अन्य कर्मचारी भी लाभान्वित होंगे और आपदा के समय अपने और अन्य लोगों के जीवन को बचाने में अपना सहयोग प्रदान कर पाएंगे।

एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला संपन्न

सागर, देशबन्धु। जिला अभियोजन अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह तारन ने बताया कि शनिवार को लोक अभियोजन संचालनालय भोपाल के तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी सागर में पुलिस एवं अभियोजन अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षता एवं कौशल संवर्धन हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता सुषमा सिंह, महानिदेशक संचालक लोक अभियोजन संचालनालय मप्र भोपाल द्वारा की गई एवं उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी उपस्थित रहे। उक्त एक दिवसीय कार्यशाला में महानिदेशक/ संचालक सुषमा सिंह ने साइबर क्राइम एवं आईटी एक्ट के वैधानिक प्रावधानों के संबंध में कहा कि साइबर क्राइम वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती है उनके द्वारा विगत वर्षों में बढ़ते हुये साइबर क्राइम के सबंध में डाटा के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई इसके अतिरिक्त, पंकज पाटीदार, वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा सीन ऑफ क्राइम विषय पर नीतेश कृष्णन, एडीपीओ ने एनडीपीएस एक्ट पर एवं अमित शुक्ला एडीपीओ ने समंस की व्हाट्स-अप एप द्वारा तामीली के संबंध में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बारे में व्याख्यान दिये गये।

खाया पिया अंग लगेगा, दान दिया संग जाएगा और बाकी बचा में जंग लगेगा: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। स्वाधीन बनो, पराधीन नहीं। संसार में दुख का मूल हेतु देह में आत्म बुद्धि का होना है, संसार में सुख मूल हेतु स्वाधीनता का होना है यह बात मुनिश्री सुदत्त सागर ने विजय टॉकीज चौराहा स्थित बडकुल जी जैन मंदिर में कही मुनिश्री ने कहा मोबाइल हमें परिवार के संबंधों से तोड़कर पर पदार्थ और राग द्वेष में लगाकर विषय वासना में लिप्त करके धर्म से विमुख कर रहा है। मोबाइल के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और अनेकों रोगों की उत्पत्ति भी हो रही है। जिसके कारण हिंसा का विस्तार होकर वायु कायिक जीवन की हिंसा हो रही है। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा कल्पद्रुम विधान में हमें चक्रवर्ती सौधर्म इंद्र आदि महापात्र बनाकर अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग करना है, तभी श्रावक के कर्तव्य दान और पूजा की सार्थकता है। उन्होंने कहा खाया पिया अंग लगेगा, दान दिया संग जाएगा और बाकी बचा जंग लगेगा। खाली हाथ आए हो, खाली हाथ जाओगे। सोचो साथ क्या जाएगा धर्म प्रभावना हेतु दान, धर्म में संपत्ति समर्पित करना चाहिए। अशोक जैन चितौरा ने बताया श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बड़कुल जी में आज प्रातः 7 बजे से अभिषेक शांति धारा भक्तांबर विधान तत्पश्चात 9 बजे से कलपद्रुम महामंडल विधान के पात्रों का चयन किया जाएगा। कल्पद्रुम महामंडल विधान का आठ दिवसीय आयोजन 17 दिसंबर से किया जा रहा है।

बेस्ट जोन वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता के दूसरे दिन हुए शानदार मुकाबले

सागर, देशबन्धु। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अयोजित महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर के तत्वाधान में ज्ञान सागर कॉलेज ऑफ एजूकेशन में आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय नेशनल लेवल महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन 32 मैच हुए। जिनमें कई रोमांचक मुकाबलों में छात्राओं ने अपने हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को विजयी बनाकर खेल की उत्कृष्टता का परिचय दिया। जिनमें विशेषता: राजा शंकरशाह विवि छिंदवाड़ा ने एमकेएस विवि भावनगर को 3-2 से, केएसकेवी कच्छ विवि गुजरात ने एसआरटी विवि कोटा को 3-2 से, बरकतउल्लाह विवि भोपाल ने विक्रम विवि उज्जैन को 3-1 से, एसआरटीएम विवि नांदेड़ ने सेन्ट्रल विवि राजस्थान को 3-0 से, पारूल विवि गुजरात ने एमडीएस विवि अजमेर को 3-0 से, भूपल नोबल विवि उदयपुर राजस्थान ने नवसारी कृषि विवि गुजरात को 3-1 से, डीयूएस विवि सीकर ने कोटा विवि को 3-0 से, एपीएस विवि रीवा ने विनीता महिला विवि सूरत को 3-0 से, मुम्बई विवि महाराष्ट्र ने हेमचन्द्राचार्य विवि उत्तर गुजरात को 3-0 से, हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल बालकृष्ण सालुंखे, डॉ. अरविंद कुमार जैन प्राचार्य नाईट कॉलेज सागर, सूबेदार मेजर रंजीत सिंह 11 एमपी बटालियन सागर रहे जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा संस्था के डायरेक्टर इंजी. रितुल सराफ एवं प्राचार्य डॉ. आरके जैन ने स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया साथ ही ज्ञान सागर कॉलेज एनसीसी केडिट्स ने अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कार्यक्रम में डॉ. प्रभात सिंह ठाकुर, संदीप कटारे, एएनओ आरके रजक, अमित खम्परिया, अभिषेक पाठक, फिरोज खान, राहुल विश्वकर्मा एवं ऋषभ सराफ, तपन तिवारी, राहुल परिहार एवं समस्त ज्ञान सागर स्टॉफ ने प्रतिभागियों को जीत की शुभकामनायें दी।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह आज

सागर, देशबन्धु। मुनिश्री अभय सागर ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह आज दोपहर 1 बजे, बंडा में संपन्न होने जा रहा है मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया कि निर्यापक मुनिश्री अभयसागर, मुनिश्री प्रभात सागर, मुनि श्री निरीह सागर, क्षुल्लक श्री उद्धम सागर और क्षुल्लक श्री गरिष्ठ सागर महाराज हैं। कार्यक्रम कृषि उपज मंडी समिति के प्रांगण में दोपहर में आयोजित किया गया है। आर्यिका अनंतमती माताजी और आर्यिका भावनामती माताजी का ससंघ पिच्छिका परिवर्तन समारोह 13 दिसंबर को राहतगढ़ में दोपहर में एक बजे से आयोजित किया गया है। संघ में 12 पिच्छिकाए है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मायके पक्ष ने लगाए आरोप

शाहगढ़, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के नरवा ग्राम से शुक्रवार की रात्रि एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाने का मामला सामने आया है, जानकारी के अनुसार मृतिका के ससुर कलु रैकवार ने शाहगढ़ थाना आकर शुक्रवार की रात्रि सूचना दी थी कि उनकी बहू चमेली रैकवार उम्र 23 वर्ष निवासी लुधियानापुरा ने अपने घर में मकान के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है सूचनाकर्ता के अनुसार फांसी लगाने का कारण अज्ञात बताया गया है, शाहगढ़ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही कर मृतिका के मायके पक्ष को सूचना दी एवं शनिवार को मृतिका के परिजनों के आने के बाद मौके पर एफएसएल टीम ने मुआयना किया एवं पुलिस ने कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कराया है, वही घटना में मृतिका के पिता सहित मायके पक्ष के लोगो ने मृतका के ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने की मांग की है जानकारी में बताया गया है कि मृतिका की दो वर्ष पूर्व नरवा ग्राम के लुधियानापुरा निवासी गुड्डू रैकवार से शादी हुई थी, हालांकि पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का है जिस कारण मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम कराने की कार्यवाही की गई है एवं आरोपो के अनुसार घटना को जांच में लिया गया है।

पूर्व सांसद रामसिंह अहिरवार के निधन पर मंत्री श्री सिंह ने शोक व्यक्त किया

सागर, देशबन्धु। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सागर से पूर्व सांसद रामसिंह अहिरवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि सादगीपूर्ण जीवन और असाधारण व्यक्तित्व के धनी पूर्व सांसद रामसिंह ने गरीब वर्ग, विशेष तौर पर बीड़ी मजदूरों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। रामसिंह अहिरवार हमारी प्रेरणा बनकर हमेशा स्मृति में रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिवारजनों को ये दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

पूर्व सांसद राम सिंह के निधन पर जिला प्रशासन ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

सागर लोकसभा से सांसद रहे राम सिंह अहिरवार का दुखद निधन हो गया है कुछ दिन पहले ब्रेन हेमरेज होने की वजह से भोपाल की अस्पताल में भर्ती कराया गया था, पहले वह पुरव्याऊ में स्थित मकान में रहते थे, लेकिन कुछ महीने पहले वह अपने बेटे के साथ तिरुपति पुरम कॉलोनी में रहने लगे थे, राम सिंह अहिरवार को जनसंघ ने साल 1967 में लोकसभा का उम्मीदवार बनाया था जिसमें उन्होंने जीत हासिल की थी। स्व. पूर्व सांसद राम सिंह अहिरवार के भांजे कृष्ण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गोपालगंज मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार शनिवार की सुबह 11 बजे किया गया। पूर्व सांसद राम सिंह के अंतिम संस्कार में प्रभारी कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देश पर नायब तहसीलदार महेश दुबे ने जिला प्रशासन की ओर से गोपालगंज मुक्तिधाम पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कौशल विकास से आत्मशक्ति का भी विकास होता है : डॉ. प्रतिभा तिवारी

सागर, देशबन्धु। स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय एवं भारतीय स्त्री शक्ति मप्र के संयुक्त तत्वाधान में नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण कौशल विकास योजना के अन्तर्गत आत्मनिर्भर अभियान को दृष्टिगत करते हुए बिट्ठल नगर में नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय स्त्री शक्ति मप्र की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा तिवारी ने कहा कि आत्मनिर्भर का अर्थ है स्वयं पर निर्भर होना यानि खुद को किसी और पर आश्रित न करना। हर किसी का सपना होता है कि वो आत्मनिर्भर बने और यह वास्तव में किसी व्यक्ति में सबसे अच्छा गुण होता है। यदि कोई व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है तो वह हर मुश्किलों का सामना करके आगे बढ़ता है और मुसीबतों से खुद को आसानी से निकाल लेता है। हर व्यक्ति खुद में आत्मनिर्भर बनकर अपनी, अपने परिवार के साथ-साथ अपने देश के उत्थान में भी अपना पूरा सहयोग कर सकता है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन अनिल सेन ने किया।

निगमायुक्त ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों के संबंध में बैठक ली

14 से 19 दिसंबर तक 11 स्थानों पर आयोजित किये जाएंगे शिविर

सागर, देशबन्धु। केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से केंद्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे तथा प्रमुख योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज हो इसके संबंध में केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है जिसकी तैयारियों के संबंध में निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों की बैठक ली और शासन के निर्देशों के अनुरूप तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में जानकारी दी की विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत मोबाइल वैन 14 दिसंबर को सागर नगर में प्रवेश करेगी जो 19 दिसंबर तक नगर में रहेगी, इस दौरान नगर निगम क्षेत्र के 11 प्रमुख स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान केंद्र शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा साथ ही साथ ही इन योजनाओं का लाभ नागरिक किस प्रकार ले सकते हैं, इसकी जानकारी नागरिकों को दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी देते हुए निर्देश दिए कि नगर में संपूर्ण यात्रा के नोडल अधिकारी सहायक आयुक्त राजेश सिंह राजपूत, आनंद मंगल गुरु और बृजेश तिवारी होंगे तथा प्रत्येक शिविर का एक नोडल अधिकारी होगा तथा सहायक के रूप में संबंधित वार्ड का जोन प्रभारी और कर संग्राहक कार्य करेंगे। शिविरों की जानकारी हेतु नगर निगम कार्यालय में कंट्रोल रूम भी प्रारंभ किया गया है जिसका प्रभारी नितिन अग्रवाल को बनाया गया है। शिविर आयोजन के पूर्व संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को शिविर आयोजन की जानकारी दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक नागरिक शिविर में आकर केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लें और पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ ले सके। शिविर स्थल पर टेंट, बैठने के लिए कुर्सी और सफाई संबंधी आवश्यक व्यवस्था शिविर आयोजन के पूर्व करने के निर्देश दिए।

इन योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को दिया जाएगा हितलाभ

यात्रा के दौरान शहरी योजनाओं में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन अभियान, अमृत योजना जैसी 17 प्रमुख योजनाएं शामिल है, जिनके पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर लाभान्वित किया जाएगा। दो पारियों में लगाए जाएंगे शिविर पहली पारी का शिविर प्रातः 11 से 2 बजे तक तथा दूसरी पारी का शिविर दोपहर 3 से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।